■ वैशाख शुक्ल - 30 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 294 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 23-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 ईसाई मिशनरियों द्वारा किए जा रहे धर्मांतरण पर झारखंड सरकार चुप : हिमंत

6 मजबूत आंतरिक सुरक्षा मोदी की बड़ी सफलता

7 सांप्रदायिक, घोर जातिवादी व परिवारवादी है कांग्रेस : कंगना

फर्स्ट टेक

शाहरुख खान लू लगने के बाद अस्पताल में भर्ती

अहमदाबाद/भाषा। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को लू लगने के बाद बुधवार को अहमदाबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार खान को मल्टी-स्पेशियलिटी केडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खान मंगलवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में अपनी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के सिलसिले में अहमदाबाद में थे। अहमदाबाद (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश जाट ने बताया, अभिनेता शाहरुख खान को लू लगने के बाद केडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' अधिकारियों के अनुसार अस्पताल के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

पेटीएम का घाटा बढ़कर 550 करोड़ पर पहुंचा

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रमुख फिनटेक कंपनी पेटीएम का घाटा मार्च 2024 को समाप्त चौथी तिमाही में बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल की तिमाही में यह 169 करोड़ रुपये था। पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस ने एक विज्ञप्ति में आज कहा, वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के हमारे नतीजे यूपीआई संक्रमण आदि के कारण अस्थायी व्यवधान और पीपीबीएल प्रतिबंध के कारण स्थायी व्यवधान से प्रभावित हुए। समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन से राजस्व साल-दर-साल 3 प्रतिशत गिरकर 2,267 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान तिमाही में यह 2,334 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपनी सहयोगी फर्म पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर प्रतिबंध से प्रभावित हुआ।

रूसी सैन्य बलों के साथ संघर्ष में यूक्रेन के 420 सैनिक मारे गये

मॉस्को/एजेन्सी। रूस के त्सेंट्र (सेंटर) ग्रुप ऑफ फोर्सेज ने दोनेत्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर) में संघर्ष के दौरान पिछले 24 घंटों में यूक्रेन के 420 सैनिकों को मार दिया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बयान में कहा, यूक्रेन के 420 सैन्यकर्मियों और जर्मनी निर्मित मार्डर पैदल सेना लड़ाकू वाहन सहित तीन बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके समूह ने डीपीआर में यूक्रेन द्वारा किए गए सात जवाबी हमलों को भी विफल कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि रूस के उत्तरी सैन्य समूह ने यूक्रेन के खार्कोव क्षेत्र में तीन जवाबी हमलों को विफल कर दिया है और यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने 255 सैनिकों को खो दिया है। उन्होंने कहा कि रूसी सशस्त्र बलों ने डीपीआर में क्लिशचिवका गांव पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है।

25-05-2024 सूर्यास्त 6:40 बजे | 24-05-2024 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE	NSE
74,221.06	22,597.80
(+267.75)	(+68.75)

सोना	चांदी
7,498 रु.	86,638 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जाति न पूछो...

प्रत्याशी का चयन करे दल,
जाति वर्ग का ले आधार।
जब पूछे यदि जाति कोई तो,
देते सब उसको धिक्कार।
धर्म जाति से करे सियासत,
पर करते उससे इन्कार।
नेताओं की लोकतंत्र में,
लीलाएं हैं अपरम्पार।।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1984 के सिख विरोधी दंगे को लेकर कांग्रेस पर किया तीखा हमला

घोर सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी हैं 'इंडी' गठबंधन के लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को 'घोर सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी' करार दिया और कहा कि कांग्रेस की छतरी के नीचे खड़ा हर दल 1984 के सिख विरोधी दंगे का गुनाहगार है। द्वारका में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का विकास मॉडल 'राष्ट्र सर्वप्रथम' के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन कांग्रेस और 'इंडि' गठबंधन के लिए एकमात्र एजेंडा 'परिवार प्रथम' है।

उन्होंने कहा, देश यह भी समझता है कि अगर गलती से कोई भी वोट 'इंडी' गठबंधन के पक्ष में पड़ जाता है तो वह वोट देश के किसी काम नहीं आने वाला है। भाजपा को दिया गया हर वोट 'विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करेगा। यही कारण है कि लोगों का यह विशाल समुद्र भी एक स्वर में कही रहा है कि 'फिर एक बार मोदी सरकार'। कांग्रेस और 'इंडि' गठबंधन पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में सिखों को जिंदा जला दिया गया।

उन्होंने कहा, इंडी गठबंधन वालों जवाब दो? इसी दिल्ली में गले में टायर बांधकर हमारे सिख भाई-बहनों को जिंदा जलाया गया था, ये गुनाह किसका था? आज कांग्रेस की छतरी के नीचे खड़ा हर दल सिख दंगे का गुनाहगार है। उन्होंने कहा, ये मोदी है जो सिख दंगे के पीड़ितों को न्याय दिला रहा है।

मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 'दिल्ली को लूटकर' 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के जरिए भारत की छवि धूमिल की। उन्होंने कहा, इसी दिल्ली ने जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी और पूरी दुनिया ने इसकी मेजबानी के लिए भारत की सराहना की। 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' पर तीखा हमला करते हुए, मोदी ने इसके घटक दलों पर 'घोर सांप्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी' होने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर परोक्ष रूप से हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली में 'कट्टर भ्रष्टाचारी' का खेल खेला जा रहा है। उन्होंने कहा, इन लोगों ने दिल्ली के लोगों को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और यहां तक कि अदालतें भी इससे स्तब्ध हैं। जो लोग राजनीति बदलने आए थे, उन्होंने सबसे बड़ा विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के सभी सदस्य 'बेहद भ्रष्ट' हैं।

मैसुरू में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसुरु (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक में मैंसुरु के यरगनहल्ली में एक परिवार के चार सदस्य अपने घर में मृत पाये गये। संदेह है कि एलपीजी सिलेंडर से रिसाव के चलते कथित रूप से उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि जान गंवाने वालों की पहचान कुमारस्वामी (45), उसकी पत्नी मंजूला (39), उसकी दो बेटियों अर्चना (19) एवं स्वाति (17 के रूप में हुई हैं।

पुलिस ने बताया कि परिवार के इन चारों सदस्यों की कथित रूप से दम घुटने के कारण जान चली गयी क्योंकि घर में एलपीजी सिलेंडर से रिसाव होने का संदेह है। पुलिस के अनुसार ये चारों एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने हाल में चिक्कमंगलुरु गये थे और रविवार शाम को लौटे थे एवं उसके बाद उनकी किसी पड़ोसी या रिश्तेदारों से कोई बातचीत नहीं हुई थी। पुलिस के मुताबिक जब रिश्तेदारों की फोन कॉल का इस परिवार ने कोई जवाब नहीं दिया तब उन्हें संदेह पैदा हुया और उन्होंने मैसुरु में अपने जान-पहचान के लोगों से स्थिति का पता लगाने का अनुरोध किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब वे कुमारस्वामी के घर गये तब मकान अंदर से बंद था। ऐसे में उन्होंने किसी तरह खिड़की खोलकर अंदर झांका एवं उन्हें कमरे में बेसुध लेटा पाया।

भाजपा और कांग्रेस को निर्वाचन आयोग की हिदायत

साम्प्रदायिक आधार पर प्रचार व सैन्य बलों का राजनीतिकरण करने से परहेज करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें लोकसभा चुनाव में जाति, समुदाय, भाषा और धर्म के आधार पर प्रचार करने से बचने की नसीहत दी और कहा कि चुनावों में देश के सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी सकती।

आयोग ने इसके साथ ही भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे से कहा कि स्टार प्रचारकों के बयान एक खास चलन का अनुसरण करते हैं और ऐसे विमर्श पैदा करते हैं जो आदर्श आचार संहिता के बाद भी नुकसानदेह हो सकते हैं।

आयोग की यह टिप्पणियां इन राजनीतिक दलों की शिकायतों के मद्देनजर दिए गए जवाबों पर आई है। विगत 25 अप्रैल को जारी नोटिसों पर आए इन दलों के जवाबों का जिक्र करते हुए चुनाव प्राधिकरण ने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों के बयानों की तकनीकी खामियां या अतिवादी व्याख्या पार्टियों और उनके प्रचारकों को उनके अपने भाषणों की सामग्री की मुख्य जिम्मेदारी से मुक्त नहीं कर सकती है। आयोग के मुताबिक यह सुधारात्मक होनी चाहिए और इसमें न ही प्रचार की गुणवत्ता को और कम किया जाना चाहिए।

निर्वाचन आयोग ने दोनों पार्टियों को आदर्श आचार संहिता के उन प्रावधानों की याद दिलाई जो कहते हैं कि कोई भी पार्टी या उम्मीदवार किसी ऐसी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो आपसी मतभेद को बढ़ा सकती है या नफरत पैदा कर सकती है या विभिन्न जातियों, समुदायों, धर्म या भाषा के बीच तनाव का कारण बनती है।

नड्डा को विपक्ष के इस आरोप पर नोटिस जारी किया गया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में विभाजनकारी भाषण दिया था। नोटिस के जवाब में नड्डा ने कहा कि भाजपा के स्टार प्रचारकों के बयान तथ्यों पर आधारित हैं और देश के सामने कांग्रेस के 'गलत इरादों' की पोल खोलते हैं।

उच्चतम न्यायालय ने सोरेन की जमानत याचिका खारिज की

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गयी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को गौर करने से इन्कार कर दिया। मामले की सुनवाई कर रही अवकाशकालीन पीठ के न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायाधीश सतीश चन्द्र शर्मा द्वारा याचिका को सुनवाई के लिये स्वीकार करने योग्य न माने जाने के बाद याचिकाकर्ता ने इसे वापस ले लिया। पीठ ने याचिका को वापस लिया हुआ मानते हुये उसे खारिज कर दिया। इस मामले में सोरेन की पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने की। पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि याचिकाकर्ता ने यह तथ्य यहां नहीं रखे कि इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर शिकायत का संज्ञान धन शोधन संबंधी मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत ने ले रखा है। प्रवर्तन निदेशालय ने फर्जीवाड़े के माध्यम से झारखंड में खरीदी गयी जमीन के एक मामले में सोरेन को 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि जमीन के इस फर्जी सौदे का मूल रूप से मुख्य लाभ सोरेन को मिला। गिरफ्तारी से तत्काल पूर्व सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

कार दुर्घटना में शामिल नाबालिग की जमानत रद्द, बाल सुधार गृह भेजा

बोर्ड ने रविवार को दुर्घटना के कुछ घंटों बाद उसे जमानत दे दी थी और सड़क दुर्घटनाओं पर 300 शब्दों का निबंध लिखने को कहा था, जिसके बाद लोगों ने इस फैसले की भरसक आलोचना की थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। पुणे स्थित किशोर न्याय बोर्ड ने एक कार दुर्घटना में कथित रूप से शामिल 17 वर्षीय किशोर को दी गई जमानत बुधवार को रद्द कर दी और उसे पांच जून तक के लिए बाल सुधार गृह भेज दिया।

बोर्ड ने रविवार को दुर्घटना के कुछ घंटों बाद उसे जमानत दे दी थी और सड़क दुर्घटनाओं पर 300 शब्दों का निबंध लिखने को कहा था, जिसके बाद लोगों ने इस फैसले की भरसक आलोचना की थी। हादसे में दो लोगों की मौत हुई थी।

पुलिस ने फिर से बोर्ड का रुख किया और पूर्व में दिये गये आदेश की समीक्षा की मांग करते हुए अपराध की जघन्य प्रकृति के आधार पर आरोपी के साथ नाबालिग के तौर पर नहीं बल्कि बालिग के रूप में व्यवहार करने की मंजूरी मांगी। पुलिस ने नाबालिग के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 304 (गैर इरादतन हत्या), 304 (ए) (लापरवाही से मौत), 279 (लापरवाही से वाहन चलाने), 337 (मानव जीवन को खतरे में डालने वाले कार्य से चोट पहुंचाना), 338 (जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कार्य से गंभीर चोट पहुंचाना) और मोटर वाहन अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी नाबालिग एक रियल स्टेट कारोबारी का बेटा है।

गाजा में बस्तियां बसाने की कोई योजना नहीं : नेतन्याहू

गाजा/एजेन्सी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि संघर्ष समाप्त होने के बाद इजरायल की गाजा पट्टी में बस्तियां बनाने की कोई योजना नहीं है, क्योंकि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध है।

नेतन्याहू ने मंगलवार को अमेरिकी प्रसारक सीएनएन के साथ साक्षात्कार में कहा, गाजा को फिर से स्थापित करना कभी भी योजना में नहीं था। मेरे कुछ घटक इससे खुश नहीं हैं लेकिन मैं गाजा के लिये एक ऐसा नागरिक प्रशासन चाहता हूं, जो गाजावासियों द्वारा चलाया जाये।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के नेतृत्व में गाजा के पुनर्निर्माण का भी आह्वान किया।

बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम कोलकाता में मृत पाए गए

कोलकाता/एजेन्सी। बांग्लादेश के सांसद मोहम्मद अनवारुल अजीम आज यहां विधाननगर के न्यू टाउन इलाके में एक अपार्टमेंट में मृत पाए गए। जो 14 मई से लापता थे। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने न्यू टाउन के संजीवा गार्डन के एक मकान से उनका शव बरामद किया है और इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। अवामी लीग की टिकट से जीते तीन बार के सांसद अजीम 12 मई को कोलकाता पहुंचे और पिछले आठ दिनों से लापता हैं। बांग्लादेश के जेनैदाह निर्वाचन क्षेत्र के सांसद 12 मई को चिकित्सा उपचार के लिए कोलकाता आए थे और शुरुआत में अजीम अपने पुराने सहयोगी एवं मित्र उत्तरी कोलकाता के बारानगर के गोपाल विश्वास के आवास पर रुके थे। वह विश्वास के आवास से 14 मई को यह कहकर निकले कि वह शीघ्र लौटेंगे।

मप्र नर्सिंग कॉलेज रिश्वत मामला:

सीबीआई निरीक्षक राहुल राज सेवा से बर्खास्त

नई दिल्ली/भाषा। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मध्य प्रदेश नर्सिंग कॉलेज के अध्यक्ष से दस लाख रुपए की रिश्वत कथित तौर पर लेते हुए गिरफ्तार किए गए अपने निरीक्षक राहुल राज को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अग्निवीर योजना को कूड़ेदान में फेंक देगा 'इंडि' गठबंधन : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महेंद्रगढ़ (हरियाणा)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि अगर 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आया तो अग्निवीर योजना को खत्म कर इसे कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने 'हिन्दुस्तान के जवानों को मजदूर बनाने' के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना की।

लोकसभा चुनाव के लिए हरियाणा में अपनी पहली जनसभा में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने किसानों के मुद्दे पर भी प्रधानमंत्री मोदी को घेरा। उन्होंने दावा किया मोदी सरकार ने 22 अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन उसने साफ तौर पर कहा है कि वह ''किसानों का कर्ज माफ नहीं करेगी क्योंकि इससे सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ जाएगा।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, हम किसानों की सुरक्षा और उन्हें उचित मुआवजा देने के लिए भूमि अधिग्रहण विधेयक लाए थे, लेकिन मोदी सरकार ने इसे रद्द कर दिया। फिर वे तीन काले कृषि कानून लाए और किसानों को सड़कों पर उतरना पड़ा। अग्निवीर योजना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया, यह सेना की योजना नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की योजना है, सेना ऐसा नहीं चाहती। इस योजना को प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से तैयार किया गया था।

महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र में आयोजित रैली में राहुल गांधी ने कहा, जब 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस) की सरकार बनेगी तो हम अग्निवीर योजना को कूड़ेदान में फेंक देंगे।

गांधी ने कहा कि हरियाणा और देश के युवाओं के हाथों में भारत की सीमाएं सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, देशभक्ति हमारे युवाओं के खून में है। प्रधानमंत्री मोदी ने हिन्दुस्तान के जवानों को मजदूर बना दिया है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के पास ऐसे नेता नहीं जो प्रधानमंत्री बन सकें : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

घाटल/पुरुलिया/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन' पर तीखा हमला बोला और कहा कि विपक्षी खेमे के पास ऐसे नेता ही नहीं हैं जो प्रधानमंत्री बन सकें।

एक के बाद एक घाटल और पुरुलिया में आयोजित चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेता सिर्फ अपने परिवार को आगे बढ़ाना चाहते हैं और न तो उनके पास देश का नेतृत्व करने के लिए कोई नेता है और न ही राष्ट्र के विकास की नीयत। शाह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) का जिक्र करते हुए कहा, पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा, यह पहले से ही तय है कि भाजपा अगली सरकार बनाएगी। लेकिन इस 'इंडिया' गठबंधन का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है? गठबंधन के पास कोई नेता नहीं है। यह पांच साल में पांच प्रधानमंत्री चाहते हैं। वे बारी-बारी से प्रधानमंत्री बनाने वाली व्यवस्था चाहते हैं।

'स्मोक पान' खाने के बाद लड़की के पेट में हआ छेद

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु में 'स्मोक पान' खाने से 12 साल की एक लड़की के पेट में छेद होने के कारण उसका ऑपरेशन किया गया। यहां के नारायण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में लड़की का ऑपरेशन किया गया। अस्पताल के मुताबिक, बेंगलूरु के शादी समारोह में लड़की ने स्मोक पान' खाया था। अस्पताल ने मरीज की पहचान का खुलासा नहीं किया। अस्पताल ने बयान में कहा कि लड़की के पेट में एक छेद का पता चला था, जिसे आगे की जटिलताओं को रोकने के लिए आपातकालीन शल्य चिकित्सा की आवश्यकता थी। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए आधुनिक तकनीक से सर्जरी की गई।

किशोरी का ऑपरेशन करने वाले डॉक्टरों की टीम के प्रमुख डॉ. विजय एच. एस. ने कहा कि 'इंट्रा-ऑप ओजीडी स्कोपी' प्रक्रिया के जरिए सर्जरी की गई। अस्पताल ने कहा सर्जरी के बाद लड़की को दो दिन गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में रखा गया और छह दिन बाद उसे घर जाने दिया गया।

आरबीआई से सरकार को मिलेगा अब तक का सर्वाधिक 2.11 लाख करोड़ रुपए का लाभांश

पिछला उच्चतम स्तर वित्त वर्ष 2018-19 में रहा जब रिजर्व बैंक ने 1.76 लाख करोड़ रुपए का दिया था लाभांश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपए के लाभांश भुगतान को बुधवार को मंजूरी दे दी। यह केंद्रीय बैंक की ओर से अबतक का सर्वाधिक लाभांश भुगतान होगा।

यह चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान की तुलना में दोगुना से भी अधिक है। अंतरिम बजट में सरकार ने आरबीआई और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से कुल 1.02 लाख करोड़ रुपए की लाभांश आय का अनुमान जताया था।

इसके अलावा यह एक साल पहले की तुलना में भी दोगुने से अधिक है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए आरबीआई ने 87,416 करोड़ रुपए का लाभांश सरकार को दिया था।

पिछला उच्चतम स्तर वित्त वर्ष 2018-19 में रहा था जब रिजर्व बैंक ने सरकार को 1.76 लाख करोड़ रुपए का लाभांश दिया था।

गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में आयोजित आरबीआई के केंद्रीय निदेशक मंडल की 608वीं बैठक में लाभांश भुगतान का निर्णय लिया गया।

रिजर्व बैंक ने बयान में कहा, निदेशक मंडल ने लेखा वर्ष 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को अधिशेष के रूप में 2,10,874 करोड़ रुपए के हस्तांतरण को मंजूरी दी।

अनुमान से अधिक लाभांश मिलने से सरकार को राजकोषीय घाटा कम करने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में अपने व्यय एवं राजस्व के बीच अंतर यानी राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.1 प्रतिशत यानी 17.34 लाख करोड़ रुपए पर सीमित रखने का लक्ष्य रखा हुआ है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बजट से अधिक लाभांश भुगतान मिलने से अगले महीने बनने वाली नई सरकार को व्यय बढ़ाने और राजकोषीय घाटे का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी। मौजूदा लोकसभा चुनावों के नतीजे चार जून को घोषित होंगे।

आरबीआई के निदेशक मंडल ने वृद्धि परिदृश्य से जुड़े जोखिमों और वैश्विक एवं घरेलू आर्थिक परिदृश्य की भी समीक्षा की।

इसके अलावा बैठक में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान रिजर्व बैंक के कामकाज पर चर्चा की गई और पिछले वित्त वर्ष के लिए इसकी वार्षिक रिपोर्ट एवं वित्तीय विवरण को मंजूरी दी गई।

आरबीआई ने कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 से 2021-22 के बीच व्यापक आर्थिक स्थितियों और कोविड-19 महामारी के प्रकोप को देखते हुए आकस्मिक जोखिम बफर (सीआरबी) को 5.50 प्रतिशत पर बनाए रखने का निर्णय लिया गया था। इससे वृद्धि एवं समग्र आर्थिक गतिविधि का समर्थन मिलने की उम्मीद थी।

आरबीआई ने कहा, वित्त वर्ष 2022-23 में आर्थिक वृद्धि में पुनरुद्धार होने पर सीआरबी को बढ़ाकर 6.0 प्रतिशत किया गया था। अर्थव्यवस्था में मजबूती और जुझारूपन बने रहने से निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सीआरबी को बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत करने का फैसला किया है।

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती केवल हमें निशाना बनाती हैं, भाजपा को नहीं : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पहलगाम (कश्मीर)/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती पर निशाना साधते हुए विपक्षी गठबंधन 'इंडि' और पीएजीडी के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुफ्ती ने कभी भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ प्रचार नहीं किया और केवल उनकी पार्टी 'नेशनल कॉन्फ्रेंस' (नेकां) को ही निशाना बनाया।

'पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकर डिक्लेरेशन' (पीएजीडी) की एकता और चुनाव के दौरान संयुक्त प्रयास किए जाने की बात दोहराते हुए, अब्दुल्ला ने कहा कि पीडीपी का समूह से खुद को दूर करने का निर्णय किसी वैचारिक मुद्दे के बजाय अपने खुद के हित से प्रेरित था।

नेकां उपाध्यक्ष अब्दुल्ला ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जहां तक पीएजीडी का सवाल है, पीएजीडी बरकरार है। पीएजीडी ने यह चुनाव एक साथ लड़ा। चाहे वह अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस हो या मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) अथवा नेकां, केवल पीडीपी ही दूर हुई है।

पीएजीडी का गठन छह दलों ने किया था, जिसमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस भी शामिल थी। स्थानीय निकाय चुनाव में हार के बाद हालांकि लोन की पार्टी अलग हो गई। अब्दुल्ला ने अनंतनाग-राजौरी सीट पर अंतिम दौर के प्रचार अभियान की शुरुआत की। उन्होंने भाजपा को लेकर पीडीपी के रुख पर सवाल उठाया और दावा किया कि उधमपुर और जम्मू जैसे स्थानों पर कांग्रेस या 'इंडि' गठबंधन के पक्ष में और भाजपा के खिलाफ मुफ्ती ने सक्रिय रूप से प्रचार नहीं किया। उन्होंने कहा, उन्होंने न तो उधमपुर में भाजपा के खिलाफ प्रचार किया और न ही जम्मू में प्रचार किया। तो ऐसे में वह 'इंडि' गठबंधन का हिस्सा होने का दावा कैसे कर सकती है? वह भाजपा के खिलाफ होने का दावा कैसे कर सकती हैं? वह सिर्फ नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ हैं, वह भाजपा के खिलाफ नहीं हैं। अनंतनाग-राजौरी सीट पर छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा।

साल 2025 तक केरल से अत्यधिक गरीबी खत्म की जाएगी : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में वाममोर्चा सरकार के चार साल पूरे होने के मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार की योजना ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने और एक नवंबर 2025 तक राज्य से अत्यधिक गरीबी को समाप्त करने की है।

केरल सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए विजयन ने एक बयान में कहा कि वाम मोर्चा सरकारों ने राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह सरकार बुनियादी ढांचे के विकास और कल्याण क्षेत्र में उपलब्धियों पर जोर देते हुए केरल को एक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा, इसके तहत हम विभिन्न क्षेत्रों में कमियों को दूर कर रहे हैं। भारत में सबसे कम गरीबी दर केरल में ही है और अब हम अत्यधिक गरीबी को खत्म करने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। एक नवंबर 2025 तक केरल को अत्यधिक गरीबी से मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य है।

विजयन ने कहा कि केंद्र सरकार भारतीय रेलवे और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के केंद्रीय उपक्रमों सहित केंद्र सरकार के विभिन्न प्रतिष्ठानों में कई रिक्तियों को भरने में विफल रही है, वहीं केरल लोक सेवा आयोग (पीएससी) पूरे देश के लिए एक मॉडल है।

मुख्यमंत्री ने कहा, वामपंथी सरकार ने 2016 से पीएससी के माध्यम से 2.5 लाख नौकरियां दी हैं। सरकार ने 30,000 और पद भी सृजित किए हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के राज्य उपक्रमों में भर्ती के लिए एक विशेष भर्ती बोर्ड का गठन किया गया था। उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्य को आर्थिक तौर पर पंगु बनाने का आरोप लगाया।

क्षिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाना मप्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ (कुंभ) मेले से पहले क्षिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाना मध्य प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उज्जैन में हर 12 साल बाद सिंहस्थ मेला लगता है। आखिरी धार्मिक मेला 2016 में आयोजित किया गया था।

मेले की तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री यादव ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। एक अधिकारी ने बुधवार को मुख्यमंत्री के हवाले से कहा, सिंहस्थ (कुंभ) मेले से पहले पवित्र क्षिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और धार्मिक मेले की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पवित्र शहर के लिए योजनाएं बनाई जानी चाहिए। शहरी प्रशासन और विकास विभाग के प्रधान सचिव नीरज मंडलोई ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मुख्यमंत्री ने जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नदी के संरक्षण का निर्देश दिया है और इसके मुताबिक नदी के दोनों किनारों पर घाट विकसित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षिप्रा नदी में पानी के निरंतर प्रवाह और स्वच्छता को बनाए रखने के लिए सभी विभाग और एजेंसियां तीन स्तरों पर काम करेंगी और नदी के संरक्षण के लिए नमामि क्षिप्रा कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा।

मंडलोई ने कहा कि कान्ह नदी के साथ-साथ क्षिप्रा नदी में मिलने वाली अन्य नदियों और नालों का उपचार 2027 तक पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ मेले के आयोजन, उसकी निगरानी और समन्वय के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में एक मंत्रिमंडल समिति बनाने का भी निर्णय लिया गया। मंडलोई ने कहा कि सिंहस्थ मेले से संबंधित जो विकास कार्य तीन साल में पूरे हो सकते हैं, उन्हें इस साल के बजट में शामिल किया जाएगा।

पेरियार नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलीं, विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल की पेरियार नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने के बाद स्थानीय किसानों और निवासियों ने बुधवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नजदीकी कारखानों से गंदा पानी सीधे नदी में बहाने की वजह से यह घटना हुई है।

स्थानीय मछुआरों खासतौर पर 'केज फार्मिंग' करने वालों ने दावा किया कि बड़ी संख्या में मछलियों के मरने से उन्हें लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। वरापुझा, कदमक्कुडी और चेरानाल्लूर जैसी पंचायतों के मत्स्यपालन केंद्रों के पास मंगलवार से ही बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिल रही हैं।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक जिलाधिकारी एन.एस.के. उमेश ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मछलियों के मरने के कारणों की तुरंत जांच करने का आदेश दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने फोर्ट कोच्चि के उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक विशेष समिति बनाई है जिसे पूरे घटनाक्रम का अध्ययन करने और एक सप्ताह में रिपोर्ट जमा करने को कहा गया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने पहले ही घटना स्थल से पानी और मरी हुई मछलियों के नमूने केरल मत्स्य एवं समुद्र अध्ययन विश्वविद्यालय (केयूएफओएस) की प्रयोगशाला को विस्तृत जांच के लिए भेज दिए हैं।

पाकिस्तान से हवाला के पैसों पर व्यापार खड़ा करने वाले नेताओं की पार्टी के समर्थन में भाजपा : महबूबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुंछ/जम्मू/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने 'अपनी पार्टी' के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में एक ऐसी पार्टी का समर्थन कर रही है, जो कश्मीर में आतंकवाद वित्त पोषण के लिए पाकिस्तान से हवाला के जरिये रुपए प्राप्त करने में संलिप्त है।

पीडीपी के पूर्व नेता बुखारी को जनवरी 2019 में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। अपनी पार्टी ने अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट से जफर इकबाल खान मन्हास को चुनावी मैदान में उतार है, जिनका मुकाबला महबूबा और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के नेता मियां अल्ताफ से है।

आम चुनाव के छठे चरण में 25 मई को इस सीट पर मतदान होगा। इन तीन नेताओं के अलावा 17 अन्य उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

पीडीपी अध्यक्ष ने पुंछ जिले में संवाददाताओं से कहा, पहलगाम में पर्यटकों पर अपनी तरह के पहली बार हुए हमले की जांच एक ऐसी पार्टी की भूमिका को ध्यान में रखकर की जानी चाहिए, जो आतंकवाद वित्तपोषण (कश्मीर में) के लिए पाकिस्तान से भारी मात्रा में हवाला का पैसा लेकर आई है।

पहलगाम में राजस्थान से आए पर्यटक दंपत्ति पर शनिवार रात को हमला हुआ था, जिसमें वे घायल हो गए थे। उन्होंने कहा, मैं किसी का नाम नहीं लेना चाहती लेकिन अगर आप ढूंढने का प्रयास करेंगे तो आपको पता चल जाएगा कि आतंकियों और (अलगाववादी) नेताओं को पैसे पहुंचाने के पीछे किसका हाथ है। यह संपर्क अब भी बरकरार हैं और वे उन संपर्कों का उपयोग कर कश्मीर में कम मतदान प्रतिशत करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। महबूबा प्रत्यक्ष तौर पर बुखारी के संदर्भ में कह रही थीं, जो 2015 से 2018 में जम्मू-कश्मीर में पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार में मंत्री रहे थे। उन्होंने पीडीपी की टिकट पर 2014 में विधानसभा चुनाव जीता था। बुखारी ने मार्च 2020 में 31 पूर्व विधायकों के साथ अपनी पार्टी की स्थापना की थी, जिनमें से ज्यादातर पीडीपी के नेता थे।

राहुल गांधी को पुणे कार हादसे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए था : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/छत्रपति संभाजीनगर /भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि पुणे में किशोर की संलिप्तता वाले कार हादसे का 'राजनीतिकरण' कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'शोभा' नहीं देता है। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) के नेता अंबादास दानवे ने फडणवीस से सवाल किया कि क्या कार हादसे की घटना के बाद उनका पुणे दौरा का उद्देश्य मामले में जांच एजेंसियों को बचाना था।

कल्याणी नगर की घटना पर टिप्पणी करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर हादसा किसी ट्रक या कैब चालक से होता तो वह सालों तक जेल में रहता, लेकिन अमीर व्यक्ति के बेटे के लिए न्याय दूसरा है और कांग्रेस इसी व्यवस्था को बदलना चाहती है। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में राहुल गांधी के वीडियो संदेश के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, पुलिस सही दिशा में काम कर रही है। लेकिन फैसला (तेज रफ्तार कार चला रहे किशोर को जमानत देने का) किशोर न्याय बोर्ड ने लिया। फडणवीस महाराष्ट्र का गृह विभाग भी संभाल रहे हैं।

फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, पुणे पुलिस ने फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दी है। हादसे का राजनीतिकरण करना राहुल गांधी को शोभा नहीं देता है। यह सही नहीं है कि सभी चीजों को वोट के चश्मे से देखा जाए। यदि गांधी के पास सही जानकारी नहीं है तो उन्हें ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

तापमान में बढ़ोतरी के बीच हिमाचल में पीने के पानी की किल्लत

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में अपर्याप्त बारिश तथा बर्फबारी के साथ-साथ बढ़ते तापमान के कारण जल स्रोत सूख रहे हैं, जिससे राज्य की पेयजल आपूर्ति की 478 परियोजनाएं बुरी तरह प्रभावित हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

जल शक्ति विभाग की मुख्य अभियंता अंजू शर्मा ने कहा, इसके कारण 478 योजनाएं प्रभावित हैं, जिनमें से 32 सोलन क्षेत्र के धर्मपुर क्षेत्र में हैं। जल स्रोत में 75 प्रतिशत से अधिक पानी की कमी होने तथा कोई वैकल्पिक स्रोत नहीं होने के कारण, तीन से चार दिन के अंतराल पर जलापूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा, हम गिरि परियोजना से पानी लेकर और छोटी योजनाओं को जोड़कर मांग को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं और प्रशासन से टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने यह भी कहा कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और ज्यादा गंभीर नहीं है लेकिन अगर तापमान बढ़ता रहा तो स्थिति और खराब हो सकती है। राज्य में लगभग 3,500 पंचायतों को पानी की आपूर्ति के लिए 10,067 योजनाएं हैं।

प्रधानमंत्री का यह आरोप पूरी तरह झूठ है कि कांग्रेस राम मंदिर पर बुलडोजर चलवा देगी : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह आरोप पूरी तरह झूठ है कि कांग्रेस अगर सत्ता में आयी तो राम मंदिर पर बुलडोजर चलवा देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस धर्म और सभी की आस्था का सम्मान करती है। खरगे ने यह भी कहा कि कांग्रेस 55 साल तक सत्ता में रही, लेकिन कभी किसी को पूजा करने से नहीं रोका या किसी का मंगलसूत्र नहीं छीना, जैसा कि प्रधानमंत्री ने दावा किया है।

खरगे ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, यह पूरी तरह से झूठ है। वे इस तरह ही बात करते हैं। हमारी पार्टी से किसी ने भी इस तरह की बात नहीं की है और न ही यह संविधान में लिखा है। हम सभी संप्रदायों और धर्मों का सम्मान करते हैं और सभी की आस्था का सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समुदाय के गरीबों की मदद करना तुष्टीकरण नहीं है, जैसा कि भाजपा ने आरोप लगाया है।

खरगे ने कहा, लोग पहले खुशी से रह रहे थे, लेकिन भाजपा और मोदी जी ने वोटों के लिए लोगों को बांटने का काम किया है। वे वोट के लिए ऐसी चीजें करते हैं और दूसरों पर बुलडोजर के इस्तेमाल का आरोप लगाते हैं। उन्होंने भाजपा पर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान गरीबों की मदद के लिए योजनाएं लाने पर हर बार कांग्रेस के खिलाफ गलत प्रचार करने का भी आरोप लगाया। प्रधानमंत्री अब कांग्रेस पर मुफ्त उपहारों की राजनीति करने का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना था कि जब पार्टी पहली बार मनरेगा, खाद्य सुरक्षा अधिनियम, ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन लेकर आई तो भाजपा ने उनका विरोध किया। उन्होंने भूमि सुधार और बैंकों के राष्ट्रीयकरण का भी हवाला दिया जिसका भाजपा ने विरोध किया था। उन्होंने कहा, जब भी हमने गरीबों के लिए योजनाएं शुरू कीं, उन्होंने इसकी आलोचना की। अब हम गरीबों को दोगुना राशन देने की बात कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में महिला उम्मीदवार 10 फीसदी से भी कम : एडीआर

नई दिल्ली/भाषा। इस बार के लोकसभा चुनाव में महिला प्रत्याशियों की संख्या 10 प्रतिशत से भी कम है।

चुनाव अधिकारों से जुड़े विषयों पर काम करने वाली एक संस्था ने अपने विश्लेषण में यह जानकारी साझा की। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) के अनुसार उसने 8,337 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया जिनमें से महिलाएं केवल 797 हैं जो कि चुनाव के सात चरणों में मैदान में उतरे कुल उम्मीदवारों का मात्र 9.5 प्रतिशत है। लोकसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीट आरक्षित करने वाला महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के बाद यह पहला चुनाव है। हालांकि, यह विधेयक अभी लागू नहीं हुआ है। पहले चरण के चुनाव के दौरान 1,618 उम्मीदवारों में से केवल 135 महिलाएं थीं। बाद के चरणों में भी ऐसा ही जारी रहा।

श्रीनगर में भूमि अतिक्रमण करने के मामले में मीरवाइज समेत सात के खिलाफ मामला दर्ज

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने 'खाली भूमि' पर अतिक्रमण के आरोप में हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक समेत सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हालांकि, अलगाववादी नेता ने इन आरोपों का खंडन किया है। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की है और जांच पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी को सौंप दी है। अधिकारियों के अनुसार, एसीबी द्वारा प्रारंभिक जांच किए जाने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्रारंभिक जांच से पता चला कि दिल रफीका नाम की एक महिला को उचित सरकारी मंजूरी और खुली नीलामी के बिना, स्थापित प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए खाली जमीन अवैध रूप से दी गई थी। जांच से पता चला कि सर्वेक्षण संख्या 640 के तहत सदरबल हजरतबल स्थित इमाम-उ-दीन की भूमि को नियमों का घोर उल्लंघन करते हुए दिल रफीका सहित कई व्यक्तियों को आवंटित कर दिया गया था।

लोकसभा चुनाव लड़ रहे 8,337 उम्मीदवारों में से 1,644 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज है : एडीआर

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा चुनाव लड़ रहे 8,337 उम्मीदवारों में से 1,644 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। चुनाव अधिकार विषयों पर काम करने वाली एक संस्था के विश्लेषण में यह आंकड़े साझा किए गए।

इन उम्मीदवारों में से 1,188 पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, महिलाओं के खिलाफ अपराध और नफरत फैलाने वाले भाषण से संबंधित मामले शामिल हैं। पहले चरण में 1,618 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया जिनमें से 252 पर आपराधिक 161 पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। दूसरे चरण के 1,192 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 250 पर आपराधिक और 167 पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। तीसरे चरण के 1,352 उम्मीदवारों में से 244 पर आपराधिक और 172 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। चौथे चरण में 1,710 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया गया है जिसके तहत 360 आपराधिक और 274 गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। पांचवें चरण में 695 उम्मीदवार शामिल मैदान में थे जिनमें से 159 पर आपराधिक और 122 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। छठे चरण के 866 उम्मीदवारों के हलफनामे की पड़ताल की गई, जिसके तहत 180 पर आपराधिक व 141 पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। अंतिम यानी सातवें चरण में 904 उम्मीदवार मैदान में हैं जिनमें से 199 के खिलाफ गंभीर आपराधिक और 151 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस तरीके से कुल 8,360 उम्मीदवारों में से 8,337 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया गया।

'इंडि' गठबंधन की सरकार मेरी रिहाई सुनिश्चित करेगी : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कहा कि अगर 'इंडि' गठबंधन सत्ता में आता है तो वह न्यायपालिका को मौजूदा ''अत्यधिक दबाव'' से मुक्त करेगा और साथ ही पांच जून को जेल से उनकी रिहाई भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि उनके खिलाफ सभी मामले फर्जी हैं।

अंतरिम जमानत पर तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद केजरीवाल अपनी चुनावी रैलियों में कहते रहे हैं कि अगर विपक्षी 'इंडि' गठबंधन जीतता है तो चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के अगले दिन वह जेल से मुक्त हो जाएंगे। पीटीआई वीडियो को दिए गए साक्षात्कार में केजरीवाल से पूछा गया कि वह ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं, जिसका अर्थ है कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बावजूद 'इंडि' गठबंधन उन्हें मुक्त कराने के लिए अदालत की बांह मरोड़ देगा।

केजरीवाल ने जमानत पर रिहा होने के बाद किसी मीडिया प्रतिष्ठान को दिए अपने पहले साक्षात्कार में कहा, न्यायपालिका इस समय काफी दबाव में है। हर कोई जानता है कि वह अब कितने दबाव में काम कर रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या उनका मतलब यह है कि जीतने की स्थिति में 'इंडि' गठबंधन की सरकार भी उन्हें रिहा कराने के लिए अदालतों पर दबाव डालेगी, केजरीवाल ने कहा, हम कोई दबाव नहीं डालेंगे लेकिन अगर न्यायपालिका से दबाव हटा दिया जाए तो न्याय निष्पक्षता से मिलना शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ सभी मामले फर्जी हैं। कहीं भी पैसे का कोई लेन-देन नहीं है। एक पैसे का भी पता नहीं चला है। अगर भ्रष्टाचार था, तो पैसा कहां गया? केजरीवाल को उनकी सरकार की आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। इस मामले में उनके पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया भी तिहाड़ जेल में हैं। उनके अलावा एक अन्य मंत्री सत्येन्द्र जैन भी तिहाड़ में बंद हैं।

बेंगलूरु नगर का दौरा

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को संयुक्त रूप से शहर का दौरा किया। उन्होंने दीपांजलिनगर, गाळी अंजनेयस्वामी मंदिर, नायड़हल्ली जंक्शन और मैसूर रोड के अन्य हिस्सों में राजकलुवे का अवलोकन किया। उन्होंने बीटीएम लेआउट, होसुरु रोड आदि क्षेत्र में का भी दौरा किया और मेट्रो तथा अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस मौके पर मंत्री रामलिंगारेड्डी, बैरथी सुरेश, मनकला वैद्य, अतिरिक्त मुख्य सचिव राकेश सिंह, शालनी रजनीश गोयल, गौरव गुप्ता, मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ, मेट्रो प्रबंध निदेशक महेश्वर राव, बीडीए आयुक्त जयराम, स्वास्थ्य विभाग आयुक्त डी. रणदीप, बेंगलूरु जल बोर्ड के अध्यक्ष राम प्रसाद मनोहर, डीसीएम सचिव, बीएमआरडीए आयुक्त राजेंद्र चोलन और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बेंगलूरु शहर के विकास कार्यों का मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने दौरा किया

- बीबीएमपी, बीडब्लूएसएसबी, बीडीए, बेसकॉम को एक दूसरे के सहयोग से काम करना चाहिए
- मुख्यमंत्री ने कड़क निर्देश दिए की सूखे पेड़ों और शाखाओं को आपदा आने से पहले हटाया जाए
- मुख्यमंत्री ने मेट्रो कार्यों, फ्लाईओवर कार्यों से मलबा हटाने के निर्देश दिये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जून से मानसून शुरु हो जाएगा। इसके पूर्व शहर में चल रहे विकास कार्यों का मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सभी अधिकारियों के साथ दौरा किया। मैसूरु रोड स्थित गाळी अंजनेय स्वामी मंदिर के पास बारिश बारिश के कारण जलजमाव हो जाता है।

नाले में गाद निकालने का काम चल रहा है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने क्षेत्र का दौरा किया और वहां चल रहे कार्यों के लिए उचित दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि शहर में 860 किलोमीटर राजकाळुवे (नाला) है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले कार्यकाल में उन्होंने 491 किमी राजकालुवे की सफाई करवाई थी।

उन्होंने जगह जगह लटक रही पेड की डालियों और सूखे पेडों को तुरन्त कट करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को आडे हाथों लेते हुए कहा कि आप क्या आपदा का इंतजार कर रहे हैं। इन्हें तुरन्त साफ किया जाए। मानसून शुरु होने के पूर्व राजकालुवे से गाद आदि निकाली जाए और सूखे पेड़ और टहनियों को काटा जाए।

बेंगलूरु शहर की वार्ड सड़कों पर 5500 गड्ढे हैं जिन्हें पाटने की जरूरत है, धमनी और उप-धमनी सड़कों पर 557 गड्ढे हैं। उन्हें इसी महीने भरा जाएगा। सिल्क बोर्ड के पास मेट्रो द्वारा बनायी गयी सड़क को चौड़ा करने का निर्देश दिया गया है. बोम्मनहल्ली विधानसभा क्षेत्र में मडीवाला झील के पास एक और नाला बनाने का सुझाव दिया गया है।

ईजीपुर में बीबीएमपी द्वारा फ्लाईओवर का निर्माण रुका हुआ है और ठेकेदार देरी कर रहा है। उनका ठेका रद्द कर नये व्यक्ति को देने का निर्देश दिया गया है। मानसून से पहले बाढ़ न आए इसके लिए चुनाव आयोग से अनुमति लेकर 7-8 स्थानों का दौरा और निरीक्षण किया गया है।

सड़कों एवं गड्ढों के रखरखाव के लिए स्थायी प्रबंधन प्रणाली बनाने का निर्देश दिया गया। गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। बीडीए ने भी इस तरह की व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया है। मानसून प्रबंधन के लिए सभी इंतजाम किए जाएं। सुझाव दिया गया है कि यदि बारिश होने पर किसी भी कारण से पानी घुसता है तो इसके लिए अभियंता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

राजकाळुवे पर दबाव नहीं होना चाहिए। अगर कही कोई अतिक्रमण है तो चाहे कितना भी प्रभावशाली है उसे हटाना होगा। बेंगलूरु में 400 झीलें थीं। कई झीलें गाद की शिकार हो गई। वहीं अन्य झीलों को बचाने और उनमें से गाद निकालने का कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिक्रमण हटाकर पानी के बहाव के लिए नहर बनाने का सुझाव दिया गया है। जून से पहले भी सामान्य से ज्यादा बारिश हुई थी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने सिर्फ बाढ़ से संबंधित जगहों की जांच की अनुमति दी है और उसी के अनुरूप जांच की गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा नतीजों के बाद शीघ्र ही बीबीएमपी चुनाव पर चर्चा की जाएगी। भाजपा के नेता आर अशोक ने शहर भ्रमण को एक फोटो शूट बताया इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह केवल झूठ बोल रहे हैं।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बुधवार को बेंगलूरु शहर के दौरे के चलते कई जगह ट्राफिक रोका गया। लोगों को काफी परेशानियों का भी सामना करना पड़ा।

प्रज्ज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के अनुरोध पर केंद्र ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया : परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ एक अदालत द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के अनुरोध पर केंद्र की ओर से अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र का कर्तव्य है कि वह राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर कानून के दायरे में मदद प्रदान करे। हासन के सांसद के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उनके राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने के लिए विदेश मंत्रालय को पत्र लिखा था। परमेश्वर ने कहा, ''अभी तक (केंद्र से) कोई जवाब नहीं आया है, केंद्र को भी हमारी मदद करनी चाहिए, हम यही आग्रह कर रहे हैं। केवल आलोचना करने का कोई मतलब नहीं है, कानून के दायरे में केंद्र को भी हमारी मदद करनी चाहिए।''

प्रज्ज्वल संबंधी राहुल के दावे पर जद(एस) ने की शिकायत

बेंगलूरु। जनता दल सेक्युलर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस कथित दावे को लेकर कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन से शिकायत की है कि यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे हासन के सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना ने 400 महिलाओं से 'दुष्कर्म' किया है। पूर्व विधान पार्षद (एमएलएसी) और जद(एस) की बेंगलूरु इकाई के अध्यक्ष एच.एम.रमेश गौड़ा ने शिकायत में शिवमोगा और रायचूर जिला मुख्यालयों में दो मई को आयोजित चुनावी सभाओं को संबोधित करते समय राहुल गांधी द्वारा दिए गए कथित बयान के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 202 के तहत उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की।

शक्ति योजना के बावजूद मेट्रो से सफर करने वालों की संख्या 30 प्रतिशत बढ़ी : रामलिंगा रेड्डी

बेंगलूरु। कर्नाटक के परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार की 'शक्ति' गारंटी के तहत गैर लग्जरी सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त सफर की सुविधा दी जा रही है और इसके बावजूद गत एक साल में मेट्रो ट्रेन से यात्रा करने वालों की संख्या में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रेड्डी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस कथित बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त सफर की सुविधा देने से मेट्रो रेल का राजस्व प्रभावित होगा। रेड्डी के मुताबिक शक्ति गारंटी योजना राज्य में 11 जून 2023 को लागू की गई थी और तब से 20 मई तक महिलाओं ने शहर में 67.34 करोड़ बार मुफ्त में यात्रा की।

प्रज्ज्वल यौन शोषण मामलों से निपटने में सरकार की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई : गृहमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने कहा है कि हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं के कथित यौन शोषण से संबंधित मामलों से निपटने में राज्य सरकार की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई है और विशेष जांच दल सभी पहलुओं की जांच कर रहा है। परमेश्वर ने कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होने के विपक्षी दलों के आरोपों को भी खारिज कर दिया और राज्य पुलिस का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने (पुलिस ने) अच्छा काम किया है।

परमेश्वर ने कहा, एसआईटी इस मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है और वे पूरी तरह सक्षम हैं। जैसे ही हमें इस मामले के बारे में पता चला हमने सबसे पहले इसे अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) ङ्कङ्कको सौंप दिया और फिर स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया। सरकार की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई। अगर कर्नाटक में खुफिया तंत्र विफल रहा तो केंद्रीय खुफिया तंत्र भी विफल रहा, क्योंकि उसने उन्हें (प्रज्ज्वल को) देश से बाहर जाने दिया। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत के दौरान कहा कि एक अदालत ने प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है जिसके बाद राज्य सरकार ने केंद्र को पत्र लिखकर उसका राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, यह बहुत संवेदनशील मामला है और आप लोगों को प्रज्ज्वल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। हमें बहुत सारी रिपोर्ट मिल रही हैं, हसन में लोग अपने घरों से भाग रहे हैं, बहुत सी महिलाएं अपने घरों में कठिनाइयों से गुजर रही हैं।

कथित तौर पर वीडियो में देखी गईं कई महिलाओं की समाज में अपना स्थान है। वे सभी अपने ही परिवारों की निगरानी में हैं। यह एक भयानक घटनाक्रम है। प्रज्ज्वल पर महिलाओं के साथ यौन शोषण के कई मामले दर्ज हैं। ये मामले तब प्रकाश में आए जब कथित तौर पर उनसे जुड़े कई अश्लील वीडियो सार्वजनिक हो गए। प्रज्ज्वल कथित तौर पर हासन सीट के लिए हुए मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को जर्मनी चला गया था और अब भी फरार है।

परमेश्वर ने कहा कि आवाज और तस्वीर की पुष्टि के लिए कुछ वीडियो फुटेज एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) को भेजे गए हैं और पुलिस ने वीडियो में दिख रहे व्यक्ति की पहचान की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा, जांच अब भी जारी है, इसलिए इस मामले में और अधिक जानकारी देना मेरे लिए उचित नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह कहना गलत होगा कि कांग्रेस पार्टी प्रज्ज्वल रेवन्ना कांड को राजनीतिक मुद्दा बना रही है।

उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि यह मामला सार्वजनिक हो चुका है और आप इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकते कि इस तरह का 'स्कैंडल' हुआ है। कांग्रेस पार्टी इसमें कैसे शामिल है...? हर कोई टीका-टिप्पणी कर रहा है, मैं उम्मीद करता हूं और सभी से अनुरोध भी करता हूं कि वे इस मुद्दे पर बयानबाजी से बचें, क्योंकि यह बहुत संवेदनशील मामला है।

हुब्बल्ली में दो युवतियों की हत्या के संबंध में गृहमंत्री ने कहा, मुझे पीड़ितों और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना है। इस तरह की हत्याएं नहीं होनी चाहिए थीं... मामला सक्षम अधिकारियों को सौंप दिया गया है। अपराधियों को पकड़ लिया गया है। कानून अपना काम करेगा। हत्या की घटना के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने को लेकर विपक्ष सिद्धरमैया सरकार पर निशाना साध रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण रहे तथा कई त्योहार भी शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नाटक पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अच्छा काम किया है।

बिटकॉइन घोटाले की चल रही जांच पर परमेश्वर ने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि यह हाल के समय का सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला है। उन्होंने कहा, कुछ अधिकारियों ने जांचकर्ताओं के समक्ष गवाही दी है। सार्वजनिक जीवन जीने वाले कुछ लोग इसमें शामिल हैं। यह बहुत तकनीकी मामला है और इसमें करोड़ों रुपये का लेनदेन शामिल है। इस मामले में संबंधित व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और इससे जुड़ी बहुत सारी जानकारियां सामने आ रही हैं। लोकसभा चुनावों के बाद राज्य में कांग्रेस सरकार के गिर जाने के भाजपा के दावों में कोई सच्चाई न होने का दावा करते हुए परमेश्वर ने कहा, ''वे सिर्फ भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं... हमारे यहां बहुत स्थिर सरकार है।'' उन्होंने कहा उनकी पार्टी ने कर्नाटक में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और उसे 28 लोकसभा सीट में से 20 से अधिक सीट मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा, हमारी अच्छी प्रतिष्ठा है। जहां तक 'गारंटी योजनाओं' का सवाल है, तो हमने घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा किया है। परमेश्वर ने कहा कि उन्हें मोदी लहर नहीं दिख रही है। उन्होंने आगे कहा, मैंने उत्तर भारत का दौरा नहीं किया है लेकिन मुझे अपने सहकर्मियों और मीडिया से यह जानकारी मिली है कि भाजपा पिछली बार जैसी स्थिति में नहीं है और विपक्षी इंडिया' गठबंधन के सरकार बनाने की संभावना बहुत अधिक है।

कुमारस्वामी ने प्रज्ज्वल से भारत लौटने व जांच का सामना करने की एक बार फिर अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने बुधवार को एक बार फिर अपने भतीजे और हासन से सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना से अपील की कि वह विदेश से लौटकर जांच का सामना करे। प्रज्ज्वल पर कई महिलाओं के यौन शोषण का आरोप है। पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि प्रज्जवल रेवन्ना पर लगे आरोपों को लेकर उनकी पार्टी और गठबंधन सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच कोई मतभेद नहीं है।

उन्होंने कहा, ''इस मामले का हमारे गठबंधन से कोई लेना-देना नहीं है।'' संवाददाताओं ने उनसे सवाल किया था कि क्या वह अपने स्रोतों का उपयोग करके प्रज्ज्वल को खोजने और उसे वापस लाने का कोई प्रयास कर रहे हैं। इसके जवाब में कुमारस्वामी ने कहा, जब वह (प्रज्ज्वल) कर्नाटक में था, तो वह कभी मेरे पास नहीं आया, अब जबकि वह कहीं विदेश में है तो क्या वह मेरे संपर्क में रहेगा? जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष कुमारस्वामी ने स्वीकार किया कि प्रज्ज्वल की वापसी में देरी से उनकी पार्टी और परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, मैंने उससे खुले तौर पर अपील की है – यदि तुम्हारे मन में अपनी पार्टी, कार्यकर्ताओं और देवेगौड़ा के लिए सम्मान है तो तुम जहां भी हो, वापस आ जाओ। पहले वापस आओ और एसआईटी की जांच में सहयोग करो...अगर तुमने कुछ गलत नहीं किया है तो आकर साबित करो, अगर तुमने गलत किया है तो सर झुका कर सजा भुगतो। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रज्ज्वल अपने पिता विधायक एचडी रेवन्ना के संपर्क में भी नहीं है।

उन्होंने कहा, ''मैं उसे कहां खोजने जाऊंगा? अगर मैं विदेश गया तो वे कहेंगे कि मैं प्रज्ज्वल को बचाने गया था... वह किसी के संपर्क में नहीं है, कुछ वकीलों की सलाह से ये सब कुछ हुआ है। अगर मुझे उसके 27 अप्रैल को विदेश जाने के बारे में पता होता तो मैं उसे रोक लेता।'' कुछ कारोबारियों द्वारा प्रज्ज्वल की मदद किए जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कुमारस्वामी ने कहा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मेरे पास कोई व्यवसायी नहीं आता है, केवल वे लोग ही मेरे पास आते हैं जो अपनी कठिनाइयों को साझा करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने ऐसे मामलों से देवेगौड़ा परिवार को राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश की है।

तपती रेत पर बीएसएफ जवान ने सेंका पापड़

बीकानेर। देश में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। कई जगहों पर तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच चुका है। आलम ये है कि गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल है। ऐसे में राजस्थान से एक ऐसी वीडियो सामने आई है, जिसे देखकर आप चौंक जाएंगे। बीकानेर में किस तरह की गर्मी पड़ रही है, इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि बीएसएफ के जवानों ने रेत पर पापड़ सेंके हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि हमारे जवान किस तरह विपरीत परिस्थितियों में हमारे देश की सीमाओं की सुरक्षा में लगे हैं।

दिन के बाद रात में भी तपा राजस्थान, जैसलमेर में न्यूनतम 34.0 डिग्री पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में गर्मी अब दिन के साथ-साथ रात में भी सितम बरसा रही है जहां राजधानी जयपुर में बीती मंगलवार रात पारा 32.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सीमावर्ती जैसलमेर में यह 34.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र जयपुर ने आगामी दो-तीन दिन में तापमान और बढ़ने की संभावना के साथ-साथ राज्य के अधिकांश स्थानों पर तेज गर्म हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। भीषण गर्मी के बीच राज्य में चिकित्सा व पेयजल विभाग के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और उन्हें मुख्यालय पर ही रहने को कहा गया है।

मौसम केंद्र के अनुसार बीते चौबीस घंटे में राजधानी जयपुर में अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमश: 44.9 डिग्री व 32.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य में पड़ रही गर्मी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बीती रात जैसलमेर में तापमान 34.0 डिग्री सेल्सियस, फलौदी में 33.8 डिग्री सेल्सियस, बाड़मेर व फतेहपुर में 32.6 डिग्री सेल्सियस और कोटा में 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान सर्वाधिक तापमान पिलानी में 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सामान्य तौर पर राजस्थान के कुछ हिस्सों में दिन में गर्मी के बाद रात में तापमान कम रहता है। मौसम केंद्र के अनुसार आगामी कुछ दिन में अधिकतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस और बढ़ोतरी होने की संभावना है। अधिकारियों के अनुसार आगामी दो दिन राज्य के अधिकांश स्थानों पर 'हीटवेव' व कहीं-कहीं तीव्र हीटवेव चलने की संभावना है। वहीं 23-24 मई के दौरान जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, कोटा व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में अधिकतम तापमान 45-48 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने व तेज लू चलने का पूर्वानुमान है।

मौसम विभाग के अनुसार इसी तरह रात का तापमान भी बढ़ेगा और आगामी 4-5 दिन राज्य के कुछ भागों में न्यूनतम तापमान भी औसत से 2-5 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज होने व कहीं-कहीं उष्ण रात्रि दर्ज होने की संभावना है। बढ़ती गर्मी के बीच सभी चिकित्सा कर्मियों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं और उन्हें मुख्यालय पर ही रहने को आदेशित किया गया है। विभाग ने राज्य में तेज लू चलने से लूतापघात की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया है। वहीं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने भी पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं पेयजल के प्रभावी प्रबन्धन हेतु सभी फील्ड अधिकारी एवं कर्मचारियों को मुख्यालय पर ही उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं।

चिकित्सा कर्मियों की छुट्टियां निरस्त

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में भीषण गर्मी के मद्देनजर राज्य के सभी चिकित्साकर्मियों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं और उन्हें मुख्यालय पर ही रहने के लिए पाबंद किया गया है। विभाग ने राज्य में लू चलने से लू-तापघात की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया है। पूरा राजस्थान भीषण गर्मी की चपेट में है। पिलानी में मंगलवार को अधिकतम तापमान 47.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

आधिकारिक बयान के अनुसार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश में लू-तापघात के प्रकोप के मद्देनजर सभी चिकित्साकर्मियों के अवकाश निरस्त कर मुख्यालय पर ही रहने के लिए पाबंद किया है। इसके अनुसार विशेष परिस्थितियों में सक्षम स्तर से स्वीकृति उपरांत ही कर्मचारी अवकाश पर जा सकेंगे और अवकाश स्वीकृति की सूचना निदेशालय को आवश्यक रूप से देनी होगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय के परिपत्र के अनुसार चिकित्सकों, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के अवकाश निरस्त कर उन्हें लू-तापघात से बचाव एवं उपचार के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि निर्देश दिए गए हैं कि चिकित्सा सेवाओं से संबंधित कार्यालयों में चौबीस घंटे नियंत्रण कक्ष क्रियाशील रहेंगे। परिपत्र में सभी चिकित्सा संस्थानों में लू-तापघात के मरीजों के लिए बिस्तर आरक्षित रखने, आवश्यक दवा एवं जांच सुविधाओं एवं पर्याप्त मात्रा में बर्फ पैक आदि की उपलब्धता रखने के निर्देश दिए गए हैं।

नाबालिग पुत्री से दुष्कर्म के मामले में सौतेले पिता को आजीवन कारावास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। राजस्थान के बारां में विशेष न्यायालय पोक्सो क्रम-2 की न्यायाधीश सोनिया बेनीवाल ने बुधवार को नाबालिग सौतेली पुत्री के साथ दुष्कर्म के मामले में एक व्यक्ति को जीवनकाल की अंतिम सांस तक कारावास की सजा सुनाई। विशिष्ट लोक अभियोजक हरिनारायण सिंह ने बताया कि पीड़िता ने अपनी बड़ी मम्मी और मामा के साथ थाना छबड़ा में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र पेश किया था कि वह तीन वर्ष की थी, तब उसके पिता की मृत्यु हो गयी थी। उसकी माता ने आठ वर्ष पूर्व केदार सिंह के साथ नाता विवाह कर लिया, जिससे वह तथा छोटा भाई उसकी मम्मी के साथ केदार सिंह के यहां रहने लग गये। करीब 10 महीने पहले उसकी माता की भी बीमारी से मृत्यु हो गयी, उसकी माता के मरने के डेढ़ माह बाद रात को जब वह सो रही थी, तो उसके सौतेले पिता केदार सिंह उसके पास आकर लेट गया और जबरदस्ती की, मना करने पर भी नहीं माना। उसका सौतेला पिता आये दिन उसके साथ जबरदस्ती किया करता था। उस समय पीड़ित की उम्र 13 वर्ष थी। इस जबरदस्ती की शिकार से वह तीन माह की गर्भवती हो गयी । उसने यह सभी बातें अपने मामा और अपनी बड़ी मम्मी को बताया।

उसके बाद उन्होंने इस आधार पर एक प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई, जिस पर थाना छबड़ा ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।अनुसंधान के बाद 13 मार्च 2023 को थाना छबड़ा पुलिस ने आरोपी मुलजिम केदार सिंह के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया। उल्लेखनीय है कि अभियोजन पक्ष की ओर से 15 गवाह के बयान न्यायालय में लेखबद्ध और 28 दस्तावेज प्रदर्शित कराये गये।

उन्होंने बताया कि 15 माह में हुये फैसले में इस प्रकरण में डीएनए रिपोर्ट महत्वपूर्ण दस्तावेज साबित हुआ, जिसमें पीड़िता के गर्भस्थ भ्रूण का मिलान उसके सौतेले पिता केदार से हुआ है, जिससे केदार सिंह को यौन शोषण का दोषी मानते हुये उसके प्राकृत जीवनकाल तक आजीवन कारावास से दंडित किया। साथ ही अलग-अलग धाराओं में कुल दो लाख रुपये का जुर्माना भी किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक हरि नारायण सिंह ने यह भी बताया कि पीड़िता को जुर्माना की राशि प्राप्त करने के अतिरिक्त पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत पीड़िता को 10 लाख रुपये अलग से देने की अनुशंसा की है, जो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बारां द्वारा पीड़िता को देने का निर्धारण करेगा।

झुंझुनूं में युवक की लाठियों से पीट-पीट कर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू । राजस्थान के झुंझुनू जिले में एक 25 वर्षीय दलित व्यक्ति को छह लोगों ने छह घंटे तक बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। इस दौरान आरोपी पिटाई का वीडियो भी बनाते रहे। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। पुलिस ने घटना में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि घटना में शामिल एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है। एसपी राजश्री राज वर्मा ने बताया कि घटना 14 मई को हुई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के भीतर सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि एक नाबालिग आरोपी को भी हिरासत में लिया गया था। एसपी ने बताया कि पीड़ित की पहचान रामेश्वर वाल्मिकी के रूप में हुई है जो एक स्थानीय गौशाला में काम करता था। पकड़े गए आरोपी शराब की दुकान के कर्मचारी थे। आरोपियों को संदेह था कि वाल्मिकी का एक स्थानीय शराब माफिया के साथ संबंध है जो उनके कारोबार को प्रभावित कर सकता है। उनका पहले भी इस बात को लेकर उसके साथ विवाद हुआ था।

एसपी ने बताया कि जब वाल्मिकी उस दिन सब्जी मंडी से घर लौट रहा था तो उसकी मुलाकात जेठूराम नायक से हुई। इस बीच छह में से तीन आरोपी, सिनीतिया मेघवाल, प्रवीण मेघवाल और सुभाष बाबरिया दोपहिया वाहनों से आए और दोनों का अपहरण कर लिया। वे उन्हें एक सुनसान जगह पर ले गए, जहां तीन अन्य आरोपी दीपेंद्र राजपूत, सतीश मेघवाल और प्रवीण सुमेर पहले से मौजूद थे।

सोशल मीडिया पर सामने आए घटना के कथित वीडियो से यह भी पता चला कि आरोपियों ने वाल्मिकी को रस्सी से बांध दिया और छह घंटे तक लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटते रहे। एसपी ने कहा कि वाल्मिकी की मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपियों ने उसके शव को शाम 7 बजे के आसपास उसके घर के पास फेंक दिया। घटना के दौरान जेठूराम को भी मामूली चोटें आईं। हालांकि उन्होंने कुछ देर बाद उसे छोड़ दिया।वाल्मिकी के भाई कालू राम उन्हें स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। कालूराम अगली सुबह थाने गए और सभी छह आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

एसपी ने बताया कि मंगलवार को जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, उसे आरोपियों ने ही रिकॉर्ड किया था। इन सभी को 16 मई को उनके गांव से गिरफ्तार किया गया था, जबकि नाबालिग को हिरासत में लिया गया था। पता चला है कि दीपेंद्र पर पहले भी झुंझुनू के सूरजगढ़ में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस बीच, पुलिस ने बुधवार को आरोपियों को पूरे इलाके में घुमाया ताकि लोगों को बताया जा सके कि पुलिस ऐसे मामलों के खिलाफ हमेशा सख्त रहेगी। उधर, इस घटना पर राजनीति भी तेज हो गई है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह घटना इस बात का सबूत है कि राजस्थान में सरकार और पुलिस कमजोर हो रही है। पूरे राज्य में हर दिन ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

गहलोत ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने झुंझुनू के सूरजगढ़ में एक दलित युवक की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में बुधवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर निशाना साधा। पुलिस के अनुसार सूरजगढ़ थाना क्षेत्र में बदमाशों ने 16 मई को युवक रामेश्वर वाल्मीकि की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी, उन्होंने घटना का वीडियो भी बनाया। इस मामले में एक हिस्ट्रीशीटर सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, 'सूरजगढ़, झुंझुनू में शराब माफिया द्वारा एक दलित युवक की पीट-पीटकर हत्या एवं उसका वीडियो बनाकर सार्वजनिक करना राजस्थान में सरकार और पुलिस के कमजोर होते इकबाल का प्रतीक है।' उन्होंने कहा, आए दिन प्रदेशभर से ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। राज्य में भाजपा सरकार आने के बाद दलितों के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़े हैं।

मोदी के नेतृत्व में देश के विकास की कामना लेकर यशोदा बने अलवर पहुंची

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास की कामना लेकर पूजा-अर्चना करने श्रीमती यशोदा बेन मोदी मंगलवार रात अलवर पहुंची। वह यहां दो दिवसीय प्रवास के दौरान कई मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिये जायेंगी।

अलवर जगन्नाथजी मंदिर के पुजारी धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि यशोदा बेन देशभर में धार्मिक स्थलों पर जा रही हैं, जहां वह मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास, सद्भावना और समृद्धि की कामना कर रही हैं। इसी क्रम में अलवर पहुंची यशोदा बेन मोदी बुधवार को सुबह अलवर प्रसिद्ध जगन्नाथजी मंदिर में पहुंची, जहां मंदिर के पंडितों ने तुलसी का पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। दिन में उनका अलग-अलग मंदिरों में पूजा करने का कार्यक्रम है, जिसकी शुरुआत सुबह अलवर शहर के जगन्नाथजी मंदिर से की। यहां से वह भूरासिद्ध हनुमान मंदिर और धोलागढ़ देवी मंदिर पूजा करने जायेंगी।

सरिस्का में तेज गर्मी के चलते बाघों को अधिक देखने के अवसर मिल रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में विश्वविख्यात सरिस्का बाघ परियोजना में इन दिनों गर्मी के चलते बाघों को देखने के अवसर अधिक मिल रही है। पानी की तलाश में वह वाटर होल के इर्दगिर्द ही रहते हैं। अलवर के सरिस्का बाघ परियोजना में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान चल रहा है। वहां भी टाइगर और अन्य वन्य जीव परेशान हैं। राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा बुधवार को सरिस्का पहुंचे। शर्मा ने वहां बाघ एस टी 15 बढ़ती गर्मी 45 डिग्री तापमान से राहत पाने के लिए पानी के जलाशय में नहाते हुये वीडियो बनाया। शर्मा सरिस्का में गये तो कुंडली एनिकट पर एसटी 15 टाइगर पानी में बैठा दिखाई दिया। दूर से जब तक देखा तो टाइगर पानी में ही बैठा रहा। जैसे ही वन मंत्री वहां नजदीक पहुंचे, वह पानी से निकलकर जाने लगा।

वन मंत्री मंगलवार को भी सरिस्का गये, तब पैंथर एक वन्य जीव का शिकार कर रहा था। उसका भी मंत्री ने वीडियो अपने मोबाइल फोन में कैद किया। सरिस्का स्थित पांडुपोल हनुमान मंदिर रोड पर पहाड़ियों के पास लेपर्ड ने सांभर का शिकार किया। शर्मा कर सरिस्का पांडुपोल हनुमान मंदिर में दर्शन करने गये थे। मंदिर से ढाई किमी पहले लौटते समय भीड़ देखकर रुक गये। सड़क किनारे लेपर्ड ने एक सांभर का शिकार किया था। एक और सांभर पास ही में खड़ा था। वीडियो में नजर आ रहा है कि इसे कार से शूट किया गया है। इस दौरान चट्टान की तरफ लेपर्ड सांभर की गर्दन को पकड़कर घसीटते हुए ले जा रहा है। गाड़ियों के शोर से लेपर्ड सड़क की ओर देखता है और भाग कर चट्टान में छिप गया।

भरतपुर महल की लड़ाई सड़क पर आई : मां-बेटे ने भरी सियासी हुंकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। पूर्व राजपरिवार में मां-बेट और पति के विवाद में नया मोड़ सामने आया है। दरअसल से महल से पत्नी दिव्यासिंह व पुत्र अनिरुद्ध ने पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह से विवाद को लेकर बड़ा बयान दिया है। मां-बेटे ने अपने परिवार को तोड़ने में पूर्व सीएम अशोक गहलोत का हाथ होना बताया है। उन्होंने कहा कि कल चामुंडा माता मन्दिर पर पंचायत में भरतपुर पीसीसी सदस्य ने कहा पूर्व राज परिवार के विवाद के पीछे एक बड़े कांग्रेस नेता का हाथ है। पूर्व सांसद दिव्या सिंह ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत का नाम लेकर कहा कि उन्होंने दो ढाई साल तक खूब घी छिड़का है। गहलोत ने ही आग लगाने का काम किया है, साथ ही घाव में घी छिड़कने का कार्य किया है.

कुंवर अनिरुद्ध सिंह ने कहा यह मामला एसडीएम कोर्ट में है। हम लोगों को अदालत पर पूरा भरोसा है। हमें कोई पंचायत जोड़ने की जरूरत नहीं है। दिव्या सिंह ने कहा 35 साल में हमने काफी पंचायत देखी है, उन्होंने कहा परिवार के खिलाफ तीन पंचायत हुई थी जो कुंवर अरुण सिंह, पूर्व मंत्री कृष्ण कौर दीपा सिंह और रघुराज सिंह के खिलाफ थी।

कुम्हेर स्थित मां चामुंडा पर इस विवाद को लेकर पंचायत हुई थी, जिसमें 51 लोगों की कमेटी बनाई गई। चाहे लोग 51,100 और 51हजार लोगो की कमेटी बना लीजिए. हम लोगो को पंचायत से कोई फर्क नही पड़ता है। इसका असर एसडीएम कोर्ट पर नही पड़ेगा। हमें कोर्ट पर पूरा भरोसा है जो भी फैसला होगा वह मान्य होगा।

अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि एक समाज जो हर किसी का ठेका लेकर घूमने की इच्छा प्रकट करता है। उन्होंने कहा- भरतपुर राज परिवार का निकास करौली राज परिवार से हुआ है। कैला देवी माता हमारी कुल देवी है और ईष्ट भगवान गिर्राज जी महाराज है। दिव्या सिंह ने कहा किसी भी इतिहासकार से पूछ लीजिए महाराजा सवाई बृजेंद्र सिंह ने भी मुझे इस बारे में बताया था। उन्होंने कहा हमारे किसी खास व्यक्ति ने जानकारी दी कि हमारे कॉल रिकार्ड किए जा रहे हैं। मोती महल के बार जो नगर निगम एरिया है उसका सौंदर्यीकरण प्रोजेक्ट सेंशन हुआ था जिसे रोक दिया गया। हमें किसी काम की परमिशन चाहिए थी उसे भी रोक दी गई। पूर्व सीएम अशोक गहलोत से मिलने का कई बार प्रयास किया लेकिन नहीं मिले। उन्होंने कहा कि हमारे और हमारे लोगो के पास धमकी भरे कॉल आए है. हम लोगों ने सुरक्षा के लिए पहले ही चिट्ठी दे रखी है।

यह मामला एसडीएम कोर्ट में है। हम लोगों को अदालत पर पूरा भरोसा है। हमें कोई पंचायत जोड़ने की जरूरत नहीं है। दिव्या सिंह ने कहा 35 साल में हमने काफी पंचायत देखी है, उन्होंने कहा परिवार के खिलाफ तीन पंचायत हुई थी जो कुंवर अरुण सिंह, पूर्व मंत्री कृष्ण कौर दीपा सिंह और रघुराज सिंह के खिलाफ थी।

हाईकोर्ट को जल्द मिल सकते हैं 10 नए जज

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट को जल्द ही 10 नए जज मिल सकते हैं। हाईकोर्ट कॉलेजियम ने जयपुर और जोधपुर के 10 अधिवक्ताओं के नाम सुप्रीम कोर्ट कालेजियम को भेजे हैं। इनमें जयपुर से एडवोकेट संदीप तनेजा, शीतल मिर्धा, आनंद शर्मा, अनुरुप सिंघी ओर बिपिन गुप्ता शामिल हैं। जोधपुर से एडवोकेट विनय जैन, बलजिंदर सिंह संधु, संदीप शाह, मुकेश राजपुरोहित और सुनील बेनीवाल शामिल हैं।

तनेजा को वर्तमान भाजपा सरकार ने अतिरिक्त महाधिवक्ता बनाया है जबकि शीतल मिर्धा पिछली कांग्रेस सरकार में अतिरिक्त महाधिवक्ता थीं। वहीं संदीप शाह और सुनील बेनीवाल भी पिछली कांग्रेस सरकार में अतिरिक्त महाधिक्ता रहे थे। जबकि जयपुर से आनंद शर्मा और जोधपुर में मुकेश राजपुरोहित केंद्र सरकार के एडवोकेट हैं। सूत्रों के अनुसार केंद्र सरकार ने इन नामों की आईबी रिपोर्ट मांग ली है और जल्द ही आईबी रिपोर्ट के साथ नाम सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के विचारार्थ भेजे जाएंगे। राजस्थान हाईकोर्ट में जजों की कुल स्वीकृत संख्या 50 है लेकिन,वर्तमान में मात्र 32 जज ही कार्यरत हैं।

परिंडे

जयपुर में बुधवार को कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धनसिंह राठौड़ ने एक परिंडा मेरा भी अभियान के तहत झोटवाड़ा विधानसभा के वार्ड 44 स्थित करधनी सेंट्रल पार्क में भाजयुमो नेताओं के साथ पक्षियों के लिए परिंडे लगाते हुए।

वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रही हैं ममता : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांथी/घाटल/पुरुलिया/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने और घुसपैठियों को राज्य की जनसांख्यिकी बदलने की अनुमति देकर 'पाप करने का' आरोप लगाया।

एक के बाद एक कांथी, घटाल और पुरुलिया लोकसभा क्षेत्र में चुनाव सभाओं को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि राज्य में भाजपा के 30 लोकसभा सीट पर जीत हासिल करने के बाद तृणमूल कांग्रेस बिखर जाएगी और ममता बनर्जी सरकार की विदाई हो जाएगी। उन्होंने कहा, बंगाल घुसपैठियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। घुसपैठ के कारण राज्य की जनसांख्यिकी बदल रही है जिसका असर न केवल बंगाल बल्कि पूरे देश पर पड़ रहा है। गृह मंत्री अमित शाह ने आरोप लगाया, ममता बनर्जी घुसपैठियों को बंगाल की जनसांख्यिकी बदलने की अनुमति देकर पाप कर रही हैं और वह वोट बैंक की राजनीति के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रही हैं। शाह ने आरोप लगाया कि घुसपैठिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का वोट बैंक हैं और ममता बनर्जी अपने वोट बैंक की तुष्टीकरण के लिए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के क्रियान्वयन का विरोध कर रही हैं। उन्होंने कहा, टीएमसी को घुसपैठियों से प्यार है और सीएए पर वार। घुसपैठिए टीएमसी का 'वोट बैंक' हैं। शाह ने बनर्जी की हाल में रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के कुछ संत पर की गई टिप्पणी के लिए आलोचना की और कहा कि इन सामाजिक-धार्मिक संगठनों को तृणमूल कांग्रेस के वोट बैंक की तुष्टीकरण के लिए धमकी दी जा रही है।

समाजवादी पार्टी की रैलियों में रोज दिख रही भगदड़, मारपीट और अराजकता : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जौनपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) तथा इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की हाल की रैलियां में फैली अव्यवस्था का जिक्र करते हुए बुधवार को कहा कि सपा और कांग्रेस के लोग सत्ता से कोसों दूर होने के बावजूद अपने नेताओं का सम्मान नहीं कर पा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने जौनपुर में पार्टी उम्मीदवार कृपा शंकर सिंह के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, अबकी बार 400 पार का भाजपा का नारा सुनते ही समाजवादी पार्टी की हालत खराब हो जाती है। यह क्षेत्रीय पार्टी 60-62 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। उन्होंने फूलपुर और आजमगढ़ में सपा और 'इंडिया' गठबंधन की चुनावी रैलियों में कार्यकर्ताओं द्वारा बैरिकेडिंग तोड़कर मंच तक पहुंच जाने की घटनाओं की तरफ इशारा करते हुए कहा, समाजवादी पार्टी में अभी रोज भगदड़, मारपीट, अराजकता व नूराकुश्ती दिख रही है। जब सपा और कांग्रेस के लोग सत्ता से कोसों दूर हैं, तब भी अपने नेता का सम्मान नहीं कर पा रहे हैं। जब यह सत्ता में रहे होंगे तो कैसे उत्तर प्रदेश की जनता का खून चूसकर शोषण किया होगा, यह किसी से छिपा नहीं है।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, एक तरफ रामभक्त हैं, जो राम के लिए सर्वस्व न्यौछावर करते हुए भारत को ताकतवर बनाना चाहते हैं, दूसरी तरफ

रामद्रोही राम के साथ भारत का भी विरोध कर रहे हैं। यह कहते हैं कि पाकिस्तान को धमकी मत दीजिए, उसके पास एटम बम है। दाने-दाने के लिए मोहताज पाकिस्तान की धमकी भारत जैसे उस बड़े देश को देते हैं, जो सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था है। सपा-कांग्रेस नेताओं को ऐसा कहते तनिक भी संकोच नहीं होता है। रामद्रोही जातिवादी-परिवारवादी राजनीति करते हैं। यह आपको जाति के नाम पर भी लड़ाएंगे। आदित्यनाथ ने कहा, कांग्रेस ने ढूंढ-ढूंढकर दागी, भ्रष्ट व परिवारवादी दलों के साथ गठबंधन कर देश में अव्यवस्था और अराजकता का ठेका ले लिया है। मोदी जी के नेतृत्व में बदलते भारत में विकास व गरीब कल्याण के अनेक कार्य हो रहे हैं। मोदी जी के नेतृत्व में भारत 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहा है तो 23 करोड़ पाकिस्तान वाले भूख से मर रहे हैं। पाकिस्तान का राग अलापने वालों का बोरिया बिस्तर चार जून को बांध दीजिए और कहिए कि भारत पर बोझ न बनो, पाकिस्तान जाकर भीख मांगो। आदित्यनाथ ने कहा, इंडी गठबंधन का घोषणा पत्र कहता है कि कांग्रेस सरकार आने पर पिछड़ी, अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का आरक्षण मुसलमानों को दे देंगे। यह लोग सत्ता में आने पर संपत्ति का सर्वे करवाएंगे और पूर्वजों से विरासत के रूप में आपको मिली संपत्ति पर टैक्स लगाकर आधी संपत्ति ले लेंगे, फिर पाकिस्तान-बांग्लादेशी से आए घुसपैठिये मुसलमानों को दे देंगे। इन्हें लूट मचाने और सेंधमारी की छूट नहीं देना है। यह विरासत टैक्स औरंगजेब का जजिया कर है।

झारखंड में ईसाई मिशनरियों द्वारा किए जा रहे धर्मांतरण पर झामुमो नीत गठबंधन सरकार चुप : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोकारो (झारखंड)/भाषा। असम के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता हिमंत विश्व शर्मा ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की अगुवाई वाले सत्तारूढ़ गठबंधन पर बुधवार को राज्य में ईसाई मिशनरियों द्वारा कथित रूप से कराए जा रहे धर्मांतरण पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य सरकार पर हिंदू अधिकारों की रक्षा के लिए कुछ नहीं करने का भी आरोप लगाया।

शर्मा ने बोकारो में चुनाव रैली को संबोधित करते कहा, झारखंड में ईसाई मिशनरी धर्मांतरण को लेकर सक्रिय हैं लेकिन वर्तमान सरकार इस पर चुप है। यह सरकार हिंदू अधिकारों की रक्षा करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'भ्रष्ट' गठबंधन बस तुष्टिकरण की राजनीति में लगा है। भाजपा नेता ने दावा किया घुसपैठ से देश की जनसांख्यिकी बदल रही है। पहले असम, फिर पश्चिम बंगाल एवं बिहार और अब झारखंड में घुसपैठ होने लगी है। वे आदिवासी लड़कियों से शादी कर रहे हैं और बस रहे हैं। मैं झामुमो नेताओं से कहना चाहता हूं कि भले वे जो कहना चाहे, वे कहें, लेकिन यदि आप भारत में राजनीति करना चाहते हैं तो आपको जय श्री राम कहना होगा।

असम के नलबाड़ी स्थित 'स्ट्रांगरूम' की सुरक्षा में सेंध, जांच के आदेश दिए गए

गुवाहाटी/भाषा। असम सरकार ने सात मई को मतदान के दिन नलबाड़ी जिले में ईवीएम रखने के लिए बनाए गए 'स्ट्रांगरूम' की सुरक्षा में कथित चूक की जांच के लिए बुधवार को आदेश जारी किया। एक आधिकारिक पत्र में यह जानकारी दी गई।

गृह एवं राजनीतिक विभाग के प्रधान सचिव बी. कल्याण चक्रवर्ती को चुनाव के दिन सुरक्षा में कथित सेंध की जांच की जिम्मेदारी दी गई है।

बारपेटा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नलबाड़ी जिले में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में सात मई को मतदान कराया गया था।

गृह और राजनीतिक विभाग ने मंगलवार रात को नलबाड़ी जिले की जिलाधिकारी वर्नाली डेका को उपस्थित रहने का निर्देश देते हुए कहा कि जांच की कार्यवाही बुधवार को जिला मुख्यालय में शाम चार बजे शुरू होगी।

बंगाल में कई वर्गों का ओबीसी दर्जा रद्द करने का अदालत का आदेश स्वीकार्य नहीं : ममता

खड़दह (प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह राज्य में कई वर्गों के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के दर्जे को रद्द करने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को ''स्वीकार नहीं करेंगी। उन्होंने संकेत दिया कि सरकार इस आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी। दमदम लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले खड़दह में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य में ओबीसी आरक्षण जारी रहेगा क्योंकि इससे संबंधित विधेयक संविधान की रूपरेखा के भीतर पारित किया गया। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा लाया गया ओबीसी आरक्षण जारी रहेगा। हमने घर-घर सर्वेक्षण करने के बाद विधेयक बनाया था और उसे मंत्रिमंडल तथा विधानसभा ने पारित किया था।

मां-बेटी से दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाने का आरोपी गिरफ्तार

मेरठ (उप्र)/भाषा। मेरठ जिले में मां-बेटी से दुष्कर्म कर उनका अश्लील वीडियो बनाने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रोहित सिंह सजवाण ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बुधवार को बताया कि सालिम नामक युवक ने लोहियानगर थाना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती से करीब एक साल पहले दोस्ती की थी और उससे दुष्कर्म करके उसका अश्लील वीडियो बना लिया था और फिर वह वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर युवती से पैसे की मांग कर रहा था। उन्होंने बताया कि रोज-रोज की मांग से परेशान युवती ने घटना के बारे में अपनी मां को बताया। पुलिस के मुताबिक, आरोप है कि लड़की की मां ने जब युवक से ऐसा करने के लिए मना किया तो आरोपी ने वीडियो डिलीट करने की बात कहकर उसे होटल में बुलाया और वहां उसके साथ भी दुष्कर्म करके घटना का वीडियो बना लिया जिसके बाद युवक मां-बेटी को ब्लैकमेल करने लगा। सजवाण ने बताया कि पीड़ित युवती की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक को मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा ने भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को निर्दलीय चुनाव लड़ने पर निष्कासित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ने पर बुधवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा काराकाट सीट से राजग उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

बिहार भाजपा के प्रदेश मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा द्वारा जारी और पवन सिंह को संबोधित एक पत्र में कहा गया है, लोकसभा चुनाव में आप राजग के अधिकृत प्रत्याशी के विरुद्ध चुनाव लड़ रहे हैं। आपका यह कार्य दल विरोधी है, जिससे पार्टी की छवि धूमिल हुई है तथा पार्टी अनुशासन के विरुद्ध आपने यह कार्य किया है। पत्र में कहा गया है, अतः आपको दल विरोधी इस कार्य के लिए पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के आदेशानुसार पार्टी से निष्कासित किया जाता है। सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में खुद की तुलना महाभारत के पात्र अभिमन्यु से करते हुए लिखा, कल भी, महाभारत में अभिमन्यु अकेला था। कृष्ण और पांडव के होते हुए चक्रव्यूह में घेरकर राक्षसों ने मारा था। आज भी रण में अभिमन्यु अकेला है लेकिन जनता उसके साथ है।

बीजू जनता दल के एक और विधायक ने पार्टी छोड़ी

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) के विधायक ज्योतिप्रकाश पाणिग्रही ने बुधवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। पाणिग्रही ने बीजू जनता दल के अध्यक्ष और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने पत्र में कहा, मैं तत्काल प्रभाव से बीजू जनता दल की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। पाणिग्रही 2014 और 2019 में बालासोर जिले के सिमुलिया निर्वाचन क्षेत्र से बीजू जनता दल के टिकट पर विधायक चुने गए थे और नवीन पटनायक की सरकार में उन्हें पर्यटन राज्य मंत्री बनाया गया। बाद में उन्हें मंत्रालय से हटा दिया गया। उन्हें 2024 के विधानसभा चुनाव के लिए बीजू जनता दल का प्रत्याशी नहीं बनाया गया। ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ हो रहे हैं। इससे पहले, अरबिंद धाली, रमेश चंद्र साई, परसुराम ढाडा, प्रेमानंद नायक और सिमरानी नायक जैसे निवर्तमान विधायकों ने बीजद की ओर से टिकट नहीं मिलने पर पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

अपनी जिम्मेदारियों से बच रहा है निर्वाचन आयोग : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ उसके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को नोटिस दिया जाना इस बात का उदाहरण है कि यह संवैधानिक संस्था अपनी जिम्मेदारियों से बच रही है तथा सत्तारूढ़ पार्टी के प्रति अनुचित ढंग से सम्मान दिखा रही है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बयानों की तुलना किसी भी तरह से कांग्रेस के नेताओं के बयानों से नहीं की जा सकती। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, एक बार फिर से चुनाव आयोग ने कांग्रेस और भाजपा दोनों को ही नोटिस भेज कर अपनी ज़िम्मेदारियों के निर्वहन का दिखावा करने की कोशिश की है। यह इस बात का एक और उदाहरण हैं कि कैसे एक संवैधानिक संस्था अपनी ज़िम्मेदारियों से बच रही है और इस समय सत्ता में बैठी पार्टी के प्रति अनुचित ढंग से सम्मान दिखा रही है। उन्होंने दावा किया, निवर्तमान प्रधानमंत्री और उनके वरिष्ठ सहयोगी जैसे निवर्तमान गृह मंत्री शाह जिस तरह बेशर्मी भरे बयान दे रहे हैं, उनकी तुलना किसी भी तरह से कांग्रेस के नेताओं के बयानों से नहीं की जा सकती है, जिनके ख़िलाफ़ शिकायतें दर्ज़ की गई हैं। रमेश का कहना है कि समान अवसर का मतलब फ़र्ज़ी ढंग से एक के साथ-साथ दूसरे को भी बिना किसी कारण के दोषी ठहराना नहीं हो सकता।

भाजपा नीत केन्द्र सरकार संविधान बदलने पर तुली है : प्रियंका वाद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोड्डा (झारखंड)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका वाद्रा ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केन्द्र सरकार संविधान को बदलने पर तुली हुई है और उसने पिछले 10 वर्ष में संसद और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं को कमजोर किया है। वाद्रा ने गोड्डा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि केंद्र की नीतियों का विरोध करने वाले सभी लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता ने कहा, अगर वे (भाजपा) दोबारा सत्ता में आए तो संविधान बदल देंगे और आरक्षण में कटौती करेंगे। उन्होंने 10 वर्ष में लोकतंत्र के साथ-साथ संसद और न्यायपालिका जैसी संस्थाओं को भी कमजोर कर दिया है। वाद्रा ने कहा कि भाजपा सरकार से भिन्न कांग्रेस की नीतियों का उद्देश्य आदिवासियों के अधिकारों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झूठे मामले में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल भिजवा दिया। उनकी पत्नी कल्पना शेरनी की तरह लड़ रही हैं...पहले कानून बनाने के लिए संसद में बहस होती थी लेकिन अब वे (भाजपा नेता) विपक्ष पर हमला करते हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने कोविड टीके बनाने वाली एक कंपनी से ''52 करोड़ रुपए का चंदा'' लिया। उन्होंने कहा, यह टीका अब लोगों के शरीर में दुष्प्रभाव पैदा कर रहा है; कई लोगों की जिम में कसरत करते हुए या काम के दौरान अचानक मौत हो गई। वाद्रा ने कहा कि भाजपा ने हेमंत सोरेन को सलाखों के पीछे डालकर सोचा था कि वह आसानी से आगे बढ़ जाएगी, लेकिन इसके बजाय, आदिवासी मजबूत होकर उभरे हैं और भाजपा को उसकी आदिवासी विरोधी नीतियों के लिए चुनौती दे रहे हैं।

टी20 विश्व कप में कोहली से पारी का आगाज कराने में काफी जोखिम : एबी

नई दिल्ली/भाषा। विराट कोहली ने मौजूदा सत्र सहित आईपीएल में सलामी बल्लेबाज के रूप में शानदार सफलता हासिल की है लेकिन उनके अच्छे दोस्त एबी डिविलियर्स का मानना है कि भारतीय सुपरस्टार अमेरिका और कैरेबियाई देशों में होने वाले टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए सबसे उपयुक्त है। कोहली ने सत्र में अब तक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु के लिए 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 708 रन बनाए हैं। उन्होंने उन आलोचकों का भी मुंह बंद कर दिया है जिन्होंने टूर्नामेंट की शुरुआत में बीच के ओवरों में स्पिनरों के खिलाफ उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाए थे। रोहित और यशस्वी दाएं और बाएं हाथ की प्रभावी सलामी जोड़ी बनाते हैं लेकिन सूर्यकुमार को तीसरे नंबर पर रखने के लिए कोहली को शुरू होने वाली आईसीसी प्रतियोगिता में जायसवाल की जगह पारी का आगाज करने के लिए कहा जा सकता है। हालांकि डिविलियर्स को लगता है कि पूर्व भारतीय कप्तान का पारी का आगाज करना अच्छा विचार नहीं है। महान द. अफ्रीकी बल्लेबाज डिविलियर्स ने जियो सिनेमा द्वारा चुनिंदा मीडिया के लिए आयोजित बातचीत के दौरान पीटीआई से कहा, मुझे लगता है कि वह तीसरे नंबर का बल्लेबाज है और यहीं पर वह सबसे प्रभावशाली है।

उच्च न्यायालय ने बंगाल में कई वर्गों का ओबीसी दर्जा रद्द किया, अब तक के लाभार्थी प्रभावित नहीं होंगे

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में कई वर्गों का ओबीसी (अन्य पिछड़े वर्ग) दर्जा रद्द कर दिया और राज्य की नौकरियों में रिक्तियों के लिए 2012 के एक अधिनियम के तहत इस तरह के आरक्षण को अवैध पाया।

अधिनियम के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आदेश पारित करते हुए उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जिन वर्गों का ओबीसी दर्जा हटाया गया है, उसके सदस्य यदि पहले से ही सेवा में हैं या आरक्षण का लाभ ले चुके हैं या राज्य की किसी चयन प्रक्रिया में सफल हो चुके हैं, तो उनकी सेवाएं इस फैसले से प्रभावित नहीं होंगी।

मामले से जुड़े एक वकील ने कहा कि इस फैसले से राज्य में बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होंगे। अदालत ने पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा) (सेवाओं और पदों में रिक्तियों का आरक्षण) कानून, 2012 के तहत ओबीसी के तौर पर आरक्षण का लाभ प्राप्त करने वाले कई वर्गों को संबंधित सूची से हटा दिया।

न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि 2010 से पहले ओबीसी के 66 वर्गों को वर्गीकृत करने वाले राज्य सरकार के कार्यकारी आदेशों में हस्तक्षेप नहीं किया गया, क्योंकि इन्हें याचिकाओं में चुनौती नहीं दी गई थी।

इस बार दोनों 'शहजादे' भाजपा को 'शह' देंगे और जनता 'मात' देगी : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आजमगढ़ (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा नेताओं की 'शहजादे' वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए बुधवार को कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा के दोनों शहजादे भाजपा को 'शह' देंगे और जनता 'मात' देगी।

यादव ने आजमगढ़ से सपा उम्मीदवार धर्मेंद्र यादव के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री मोदी और अन्य भाजपा नेताओं द्वारा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और उन्हें 'शहजादे' कहकर तंज किए जाने का जवाब दिया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी और हम लोगों को शहजादे शहजादे कहा जा रहा है। इस बार देखना दोनों शहजादे मिलकर ऐसी शह देंगे और जनता ऐसी मात देगी कि इनका पता नहीं लगेगा (कि कहां गए)। इस बार शहजादे शह देने वाले हैं और जनता मात देने वाली है। प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य भाजपा नेता इन दिनों अपनी चुनावी रैलियां में सपा प्रमुख यादव और कांग्रेस नेता गांधी को शहजादे कहकर उन पर तंज कर रहे हैं।

सपा प्रमुख ने भाजपा में लोकतंत्र नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा, जो लोग जी20 लेकर घूम रहे थे उस पार्टी में सिर्फ दो लोगों की चलती है। बाकी सब शून्य हैं। हमारे जो लखनऊ वाले (मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) हैं, इधर सुनने में आया है कि उनकी भी भाषा बदल गई है। यह जो समय-समय पर बुलडोजर लेकर चलते थे, उन्हें पता ही नहीं है कि इस बार लीकेज कहां पर है जिसके कारण सब पेपर लीक हो रहे हैं।

सपा और कांग्रेस द्वारा पिछड़ों और दलितों का आरक्षण छीन कर मुसलमान को देने की साजिश रचने के भाजपा के आरोप का जिक्र करते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा, कोई किसी का आरक्षण नहीं छीन रहा है। अगर आरक्षण को लेकर किसी ने धोखा दिया है तो वह भाजपा है। उसके फैसलों ने हमारे आप के आरक्षण को छीनने का काम किया है।

विश्व पैरा एथलेटिक्स : सचिन ने स्वर्ण बरकरार रखा, धरमबीर को कांसा, भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोबे (जापान)/भाषा। भारत के सचिन सर्जेराव खिलाड़ी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पुरुषों के शॉटपुट एफ46 वर्ग में एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता और भारत ने टूर्नामेंट में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी कर दिखाया।

धरमबीर ने पुरुषों के क्लब थ्रो एफ51 वर्ग में कांस्य पदक जीता जिससे भारत के पदकों की संख्या 12 पहुंच गई जिसमें पांच स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। भारत इस तरह चीन (18-16-14) और ब्राजील (17-8-5) के बाद तीसरे स्थान पर बरकरार है। इससे पहले भारत ने 2023 चरण में पेरिस में तीन स्वर्ण समेत दस पदक जीते थे। सचिन ने 16 . 30 मीटर का थ्रो फेंककर 16 . 21 मीटर का अपना ही रिकॉर्ड बेहतर किया जो उन्होंने पिछले साल पेरिस में

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में बनाया था। पैरा एथलेटिक्स स्पर्धाओं में एफ46 श्रेणी उन लोगों के लिए है जिनकी एक या दोनों भुजाओं की गतिविधि मामूली रूप से प्रभावित है या जिनके हाथ-पैर नहीं हैं। इन एथलीटों को कूल्हों और पैरों की ताकत से थ्रो करना होता है। महाराष्ट्र के सांगली जिले के रहने वाले सचिन स्कूली दिनों में एक दुर्घटना का शिकार हो गए थे जिससे उन्होंने कोहनी की मांसपेशियां गंवा दी। कई सर्जरी के बावजूद वह ठीक नहीं हो सके। पुरुषों के क्लब थ्रो एफ51 फाइनल में धरमबीर ने धीरे धीरे अपने थ्रो में सुधार करते हुए 33.61 मीटर के पांचवें प्रयास से कांस्य पदक सुनिश्चित किया। सर्बिया के जेलिजको ने 34.20 मीटर के थ्रो से मीट रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता जबकि मेक्सिको के मारियो संताना हर्नांडिज ने 33.62 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से रजत पदक जीता। एफ51 में वो एथलीट हिस्सा लेते हैं जिनके धड़ और पैर में गंभीर विकृति होती है।

सुविचार

जो जी लिए वो जिंदगी, जो काटनी पड़े वो सजा, हमें जो जीवन मिला है, वो सांसो से मिला है, वर्षो में नहीं, इसलिए हर पल को जियो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एटीएस की सूझबूझ

गुजरात में अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल हवाईअड्डे से एकसाथ चार लोगों, जिन पर आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से जुड़े होने का आरोप है, की गिरफ्तारी बहुत गंभीर मामला है। आईएसआईएस अपनी दहशत के साथ ही क्रूरता के लिए कुख्यात है। अमेरिका इसकी कमर तोड़ने के लिए इराक और सीरिया में बड़े स्तर पर कार्रवाई कर चुका है। उसने इसके शीर्ष नेतृत्व पर भी बहुत प्रहार किए हैं, लेकिन इस संगठन का पूरी तरह खात्मा नहीं हो सका है। यह संगठन अन्य देशों में अपनी जड़ें जमाने की कोशिशें कर रहा है। जो लोग अहमदाबाद में पकड़े गए, वे सभी श्रीलंकाई नागरिक हैं। अहमदाबाद में उनका आना इस लिहाज से भी बहुत गंभीर मामला है, क्योंकि यह शहर कारोबारी नजरिए से काफी अहमियत रखता है। अगर वे यहां बड़ी वारदात को अंजाम देने में कामयाब हो जाते तो उससे देश की अर्थव्यवस्था को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेशकों और कारोबारी समुदाय में ग़लत संदेश जाता। यह तो गुजरात पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की सूझबूझ रही कि उसने बहुत सावधानी से काम लिया और 'सही समय' पर आरोपियों को दबोच लिया। गुजरात के डीजीपी विकास सहाय ने जो जानकारी दी, उससे स्पष्ट होता है कि एटीएस के अधिकारियों ने आरोपियों तक पहुंचने से पहले बहुत मेहनत की। अहमदाबाद जैसे व्यस्त हवाईअड्डे पर हजारों यात्री आते-जाते रहते हैं। उनमें से चार 'यात्रियों' के बारे में सूचनाएं हासिल करना, उनका सत्यापन करना, टिकट-पासपोर्ट समेत जरूरी दस्तावेजों के बारे में जानकारी इकट्ठा करना, हवाईअड्डे पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों को सतर्क करना और गोपनीयता बनाए रखते हुए 'असल' लोगों तक पहुंचना ... यह कोई आसान काम नहीं है।

अधिकारियों को मामले से जुड़े पुख्ता सबूत भी जुटाने होते हैं, ताकि जिन लोगों को वे अदालत में पेश करें, उनके खिलाफ केस मजबूत हो। अगर भूल से भी गलत व्यक्ति को पकड़ लें या आधे-अधूरे सबूतों के साथ कार्रवाई करें तो पूरी मेहनत पर पानी फिर जाए! गुजरात लंबे अरसे से आतंकवाद के निशाने पर रहा है। अतीत में गुजरात एटीएस और पुलिस ने आतंकवादियों के नेटवर्क का पर्दाफाश करने और उनकी साजिशों को विफल करने समेत कई बड़ी कार्रवाइयां की हैं। पिछले साल अगस्त में एटीएस ने राजकोट से तीन लोगों को गिरफ्तार किया था, जिन पर आतंकवादी संगठन अलकायदा से संबंध रखने का आरोप था। गुजरात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गृह-राज्य है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान की फौज और आतंकवादी संगठनों की आंखों में गुजरात बहुत खटकता है। अहमदाबाद हवाईअड्डे से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पृष्ठभूमि पर गौर करें तो यह मामला श्रीलंका और पाकिस्तान, दोनों देशों से जुड़ता दिखाई देता है। श्रीलंका में अप्रैल 2019 में ईस्टर बम धमाकों में आईएसआईएस का हाथ सामने आया था। इस देश से समय-समय पर ऐसे कई संदिग्ध पकड़े जा चुके हैं, जिनका आतंकवादी संगठनों की ओर झुकाव रहा है। उक्त चारों संदिग्धों के बारे में जांचकर्ताओं की ओर से जो बातें सामने आईं, उनसे खतरनाक इरादों का पता चलता है। इनका 'आका' पाकिस्तान में रहता है और वह हथियारों को इकट्ठा करने के बाद हमले को अंजाम देने के लिए जगह और वक्त बताने वाला था। आरोपियों ने पूछताछ के दौरान यह बताने से इन्कार किया कि वे असल में कहां आतंकवादी हमले को अंजाम देने की योजना बना रहे थे! क्या ये लोग इतने शातिर हैं कि अपने इरादे जाहिर नहीं कर रहे, ताकि इनके पूरे नेटवर्क का खुलासा न हो जाए? अथवा यह भी इनके 'आकाओं' की साजिश का हिस्सा है कि इन्हें उतनी ही जानकारी उपलब्ध कराई जाए, जिससे पकड़े जाने की स्थिति में अन्य लोग 'महफूज' रहें? ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब मिलने अभी बाकी हैं। उम्मीद है कि एटीएस की पूछताछ से इनका जल्द खुलासा हो जाएगा।

ट्वीटर टॉक

मैं आपको गारंटी देता हूं, मैं आपके लिए दिन-रात मेहनत करूंगा, पहले से भी ज्यादा मेहनत करूंगा। मुझे आपके लिए, आपके भविष्य के लिए, आपके बच्चों के भविष्य के लिए, विकसित बिहार बनाना है, विकसित भारत बनाना है।

-नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की राजधानी दिल्ली में होने वाले प्रत्येक ऐतिहासिक निर्माण कार्यों का आम आदमी पार्टी व अरविंद केजरीवाल ने विरोध किया है और दिल्ली के विकास को रोका है। भाजपा दिल्ली में विकास का नया सवेरा लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

-जेपी नड्डा

आज अमृतसर में धर्म-सद्भाव और सेवा के अद्वितीय-अतिपावन तीर्थ स्थल स्वर्ण मंदिर में माथा टेक कर धन्य होने का परमसुख पाया। यहाँ पहुँचते ही अनोखा आध्यात्मिक अनुभव मिलता है। मन स्वतः ही सतनाम वाहे गुरु का जाप करने लगता है।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

सामंजस्य की सीख

महाकवि निराला जी को अलीगढ़ में एक कवि सम्मेलन में खूब दाद मिली। लौटते हुए आधी रात से अधिक हो गई थी। जो युवक उनको अपने साथ लाया था, उसने संकोच से कहा कि अब तो कोई और साधन नहीं है। आप सहूलियत समझें तो हम एक तांगा कर लेते हैं। निराला जी आनंद से तांगे में बैठ गये। युवक हैरान था, कहे बगैर रह न सका कि आपको तो बढ़िया मोटरकार से लेकर गया था, और अब आपको तांगे पर वापस ला रहा हूं। आप तो अब भी वैसे ही सामान्य लग रहे हैं। न कोई नाराजगी न कोई झुंझलाहट?' 'अरे, मेरे लिए सब बराबर है। तुम अगर कहते तो मैं तो पैदल भी चल देता।' कहकर निराला हंसते-हंसते चांदनी रात निहारने लगे। मगर उस युवक को जीवन में सामंजस्य की एक बहुत बड़ी सीख दे गये।

सामयिक

मजबूत आंतरिक सुरक्षा मोदी की बड़ी सफलता

प्रो. महेशचंद गुप्ता

एक जमाने में देश के हर हिस्से में असुरक्षा और दहशत का माहौल था। देश में आतंकी हमले होना आम बात थी। आतंकियों का जब जी चाहता, सीमा पार करके आते और देश के विभिन्न शहरों में मासूम लोगों को मौत के घाट उतार देते। शहर-दर-शहर बम विस्फोट रोजमर्रा की बात हो गए थे। पाकिस्तान जहां सीमाओं पर गोलीबारी बरकरार रखता, वहीं हमारे देश के भीतर भी आतंकवाद को खाद-पानी दिए रखता। वैसे तो देश का कोई कोना नहीं था, जहां आतंकियों ने कहर न बरपाया हो लेकिन मुम्बई तो आतंकियों का पसंदीदा लक्ष्य रहा। बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद 12 मार्च 1993 को बम विस्फोटों से समूची मुम्बई को दहला दिया गया। 26 नवम्बर 2008 को मुम्बई पर कसाब और उसके साथियों ने जो हमला किया, उससे पूरी दुनिया सन्न रह गई। 11 जुलाई 2006 में लोकल ट्रेनों में हुए विस्फोट से हुई 209 लोगों की मौत को कौन भुला सकता है। 14 मार्च 2003 को मुम्बई के मुलुंड में एक ट्रेन में बम फटने से 10 लोगों की मौत, 25 अगस्त 2003 को झवेरी बाजार और गेटवे ऑफ इंडिया के पास कारों में रखे दो बमों के फटने से 50 लोगों का मारा जाना हमें आज तक कुरेदता है।

मोदी सरकार से पहले देश की राजधानी दिल्ली भी हमेशा आतंकियों के निशाने पर रही। 13 दिसम्बर 2001 को संसद पर हुआ हमला देश की संप्रभुता पर हमला था। नई दिल्ली में 29 अक्टूबर 2005 को दिवाली से एक दिन पहले आतंकियों ने तीन विस्फोट किए, जिसमें 70 से अधिक लोग मारे गए और कम से कम 250 अन्य लोग घायल हो गए। मैं पिछले 55 सालों से दिल्ली में रह रहा हूं। मैंने दिल्ली की शांति देखी है तो दुर्भाग्य से अशांत दिनों का साक्षी भी बनना पड़ा है। पिछले करीब चार दशकों में दिल्ली ने न जाने कितने आतंकी हमले झेले हैं। आए दिन बम विस्फोटों से दिल्ली का दहल जाना आज भी हिला देता है। केवल दिल्ली और मुम्बई ही क्यों, जयपुर, अजमेर, मालेगांव, श्रीनगर, अहमदाबाद, बेंगलूरु , रामपुर, हैदराबाद, कोयंबटूर, वाराणसी समेत देश के तमाम राज्यों के बड़े शहरों में आतंकियों के नापाक मंसूबे कामयाब होते रहे।

दुर्भाग्य है कि देश में जब-जब आतंकी हमले हुए, हमारी सरकारों की प्रतिक्रिया हमेशा 'कड़ी निंदा' तक सीमित रही लेकिन 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद जहां भारत में घुसने की कोशिश करने वाले आतंकियों को सीमा पर ही ढेर करने की नीति पर व्यापक काम शुरू हुआ, वहीं देश में घुसे आतंकियों का भी काम तमाम किया जाने लगा। हालांकि बौखलाए आतंकियों ने कश्मीर में पुलवामा व उड़ी तथा पंजाब के पठानकोट एयरबेस पर हमले का दुस्साहस किया लेकिन जिस प्रकार मोदी सरकार ने आतंकियों को पाकिस्तान में घुसकर मारा, उससे आतंकियों और उनके सरपरस्त पाकिस्तान के हौसले पस्त हो गए।

जाहिर है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के मुताबिक केन्द्र सरकार सभी पहलुओं को मजबूत कर राष्ट्र की सीमाओं पर और आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध रही है। 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद से भारत को बड़े आतंकवादी हमले नहीं झेलने पड़े हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दावा एकदम सही है कि मोदी के नेतृत्व में देश की आंतरिक सुरक्षा की स्थिति मजबूत हुई है और कश्मीर में आतंकवाद को पूर्ण रूप से काबू करने में सफलता मिली है। मोदी काल में देश की आंतरिक सुरक्षा की स्थिति में बहुत बदलाव आया है।

पिछले दस सालों में देश की सामरिक शक्ति तुलना में कई गुना बढ़ी है। सीमाएं पहले से अधिक सुरक्षित हुई है। हमारी सेनाएं पहले की अपेक्षा रक्षा साजो सामान से पूरी तरह लैस हैं तथा युद्ध के लिए हर तरह से और हर समय तैयार हैं। हमारी सेनाओं का मनोबल बहुत ऊंचा है। मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई रक्षा क्षेत्र में सुधारों की प्रक्रिया के बेहतर नतीजे सामने आ रहे हैं। धारा 370 हटाने के बाद कश्मीर में आतंकवाद को पूर्ण रूप से काबू करने में सफलता मिली है और मृत्यु तथा अन्य हिंसक घटनाओं की संख्या में 72 प्रतिशत की गिरावट आयी है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में भी हिंसक घटनाओं में 65 प्रतिशत की कमी आयी है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी स्थिति में बहुत बड़ा बदलाव हम देख रहे हैं।

मोदी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति पूरी तरह गंभीर रही है। पिछले साल नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुआ राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन प्रधानमंत्री मोदी के विजन को पूरा करने में अहम कड़ी रहा है। इस सम्मेलन में इस विषय पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया है कि देश के हर पहलू की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित संभव हो सके। इसके उपरांत गांव से लेकर जिले तक, जिले से लेकर प्रदेश तक और प्रदेश से लेकर देश की सीमाओं तक हर जगह सुरक्षा का एक अचूक कवच देने पर काम किया जा रहा है।

देश के दुश्मनों के खिलाफ जब-जब मोदी सरकार ने हुंकार भरी है, कांग्रेस और तमाम विपक्षी दलों ने उनकी आलोचना की है। कई बार तो विपक्षी दल राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर पाकिस्तान का पक्ष लेते नजर आए हैं मगर मोदी सरकार राष्ट्र और राष्ट्रवासियों को सर्वोच्च मानकर काम कर रही है। मोदी सरकार देश की सीमाओं पर और देश के भीतर ऐसा अभेद्य ढांचा खड़ा करने में सफल रही है, जिससे हर देशवासी अपने आपको सुरक्षित महसूस कर रहा है। जीवन के 70 वसंत देख चुके मुझ जैसे दिल्ली वासी 2014 से पहले सहमे हुए एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस टर्मिनल जाते थे। वहां किया जा रहा यह एनाउंसमेंट कि किसी लावारिस वस्तु को न छुएं, वह बम हो सकता है, सुनकर डर और बढ़ जाता था।

मगर अब हालात बदल गए हैं। हर देशवासी न केवल दिल्ली बल्कि देश के हर शहर में निर्भय और आश्वस्त हो कर घर से निकलता है बल्कि शाम को सही सलामत अपने घर भी लौटता है। अब हमें किसी आतंकी का डर नहीं सताता। सीमाएं सुरक्षित होने और आंतरिक सुरक्षा के कारण ही देश प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी है तो मुमकिन है।

विशेष

25 मई से 'नौतपा', खूब तपेगी धरती

संजय सक्सेना

मोबाइल : 9454105568

उत्तर भारत बुरी तरह से तप रहा है। ज्येष्ठ मास की गर्मी से एक तरफ हाहाकार मचा हुआ है, वहीं दूसरी तरफ 25 मई से नौपता का प्रकोप भी सामने खड़ा नजर आ रहा है। बता दें हर साल ज्येष्ठ माह में नौ दिन ऐसे होते हैं, जिसमें भीषण गर्मी पड़ती है, इन्हें नौतपा के नाम से जाना जाता है। ज्योतिषियों के अनुसार, 25 मई से नौतपा शुरू होंगे और दो जून तक रहेंगे। गर्मी के लिहाज से ये नौ दिन बेहद खतरनाक होते हैं। ज्येष्ठ महीने की शुरुआत में सूर्य देव कृतिका नक्षत्र से निकलकर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, इसके साथ ही नौतपा शुरू हो जाता है। इस बार सूर्यदेव 25 मई को सुबह 3 बजकर 16 बजे पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और उसके बाद दो जून को सूर्य मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार नौतपा की अवधि 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक रहेगी। नौ तपा में सूर्य से धरती तपने लगती है, सूर्य आग उगलते प्रतीत होते हैं और जल स्वतः खौलने लगता है। ज्योतिषी पंचांग नौ तपा के दौरान इस बार भीषण गर्मी पड़ने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। यदि नौतपा के सभी दिन पूरे रहे तो यह अच्छी बारिश का संकेत होता है। जयोतिष शास्त्र कहता है सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में आने का प्रभाव ज्योतिष गणना के मुताबिक शनि की वक्री चाल के चलते नौतपा खूब तपेगा। हालांकि नौतपा के आखिरी दो दिनों के भीतर आंधी तूफान व बारिश होने की संभावना रहेगी। जयोतिष शास्त्र के साथ वैज्ञानिकों के मुताबिक भी मई के आखिरी सप्ताह में सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी सबसे कम हो जाती है। उस दौरान सूर्य की किरणें सीधे धरती पर पड़ती हैं, इसलिए गर्मी इन दिनों में सबसे ज्यादा गर्मी होती है। नौतपा के दौरान पेड़-पौधे लगाने से बहुत पुण्य मिलता है। पेड़-पौधे लगाने के साथ ही इसकी सिंचाई भी करें। इन दिनों में पेड़-पौधों में जल डालने से पितृ प्रसन्न होते हैं और इससे पुण्य फल की प्राप्ति होती है। स्कंद पुराण के अनुसार नौतपा में गरीब और जरूरतमंदों में ऐसी चीजों का दान करें, जो गर्मी से राहत देती हो. इस समय आप अन्न, जल, सत्तू, पंखा, घड़ा, मौसमी फल, वस्त्र, छाता और जूते-चप्पलों का दान कर सकते हैं।

नजरिया

प्रत्येक प्राणी के प्रति दयाभाव रखते थे महात्मा बुद्ध

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041

प्रतिवर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा' के रूप में मनाया जाता है। बुद्ध पूर्णिमा इस वर्ष 23 मई को है। माना जाता है कि 563 ई.पू. वैशाख पूर्णिमा के ही दिन लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था, जिन्होंने वैशाख पूर्णिमा को ही बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे बुद्धत्व प्राप्त किया था। यही कारण है कि बौद्ध धर्म में बुद्ध पूर्णिमा को सबसे पवित्र दिन माना गया है। गौतम बुद्ध का वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। गौतम उनका गौत्र था किन्तु कालांतर में वह सिद्धार्थ गौतम, महात्मा बुद्ध, भगवान बुद्ध, गौतम बुद्ध, तथागत आदि विभिन्न नामों से जाने गए। बचपन से ही राजकुमार सिद्धार्थ घंटों एकांत में बैठकर ध्यान किया करते थे लेकिन फिर भी उन्होंने पुत्र जन्म तक सांसारिक सुखों का उपभोग किया परन्तु धीरे-धीरे उनका मन सांसारिक सुखों से उचाट होता गया।

सिद्धार्थ मन की शांति पाने के उद्देश्य से एक दिन भ्रमण के लिए अपने सारथी छेदक को साथ लेकर रथ में सवार हो महल से निकल पड़े। रास्ते में उनका मनुष्य की दुःख की चार घटनाओं से साक्षात्कार हुआ। जब उन्होंने दुःख के इन कारणों को जाना तो मोहमाया और ममता का परित्याग कर पूर्ण सन्यासी बन गए। सबसे पहले उन्होंने मार्ग में एक रोगी व्यक्ति को देखा और सारथी से पूछा, यह प्राणी कौन है और इसकी यह कैसी दशा है?''

सारथी ने बताया, ''यह भी एक मनुष्य है और इस समय यह बीमार है। इस दुनिया में हर व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी रोगी होकर दुःखों का सामना करना ही पड़ता है।''

आगे बढ़ने पर सिद्धार्थ ने मार्ग से गुजरते एक वृद्ध, निर्बल व कृशकाय व्यक्ति और उसके बाद एक मृत व्यक्ति की अर्थी ले जाते विलाप करते लोगों को देखा तो हर बार सारथी से उसके बारे में पूछा। सारथी ने एक-एक कर उन्हें मनुष्य की इन चारों अवस्थाओं के बारे में बताया कि हर व्यक्ति को कभी न कभी बीमार होकर कष्ट झेलने पड़ते हैं। बुढ़ापे में काफी दुःख झेलने पड़ते हैं, उस अवस्था में मनुष्य दुर्बल व कृशकाय होकर चलने-फिरने में भी कठिनाई महसूस करने लगता है और आखिर में उसकी मृत्यु हो जाती है।

सिद्धार्थ यह रहस्य जानकर बहुत दुःखी हुए। आगे उन्हें एक साधु नजर आया, जो बिल्कुल शांतचित्त था। साधु को देख सिद्धार्थ के मन को अपार शांति मिली और उन्होंने विचार किया कि साधु जीवन से ही मानव जीवन के इन दुखों से मुक्ति संभव है। बस फिर क्या था, देखते ही देखते सिद्धार्थ सांसारिक मोहमाया के जाल से बाहर निकलकर पूर्ण वैरागी बन गए और एक दिन रात्रि के समय पत्नी यशोधरा तथा पुत्र राहुल को गहरी नींद में सोता छोड़ उन्होंने घर-परिवार और राजसी सुखों का परित्याग कर दिया तथा सत्य एवं ज्ञान की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकते रहे। उन्होंने छह वर्षों तक जंगलों में कठिन तप किया और सूखकर कांटा हो गए किन्तु ज्ञान की प्राप्ति न हो सकी। उसके बाद उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक शक्ति प्राप्त की और बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर गहन चिंतन में लीन हो गए तथा मन में दृढ़ निश्चय कर लिया कि इस बार ज्ञान प्राप्त किए बिना वे यहां से नहीं उठेंगे।

सात सप्ताह के गहन चिंतन-मनन के बाद वैशाख मास की पूर्णिमा को 528 ई.पू. सूर्योदय से कुछ पहले उनकी बोधदृष्टि जागृत हो गई और उन्हें पूर्ण ज्ञान की प्राप्ति हो गई। उनके चारों ओर एक अलौकिक आभा मंडल दिखाई देने लगा। उनके पांच शिष्यों ने जब यह अनुपम दृश्य देखा तो उन्होंने ही राजकुमार सिद्धार्थ को पहली बार 'तथागत' कहकर संबोधित किया। तथागत' यानी सत्य के ज्ञान की पूर्ण प्राप्ति करने वाला। पीपल के जिस वृक्ष के नीचे बैठकर सिद्धार्थ ने बुद्धत्व प्राप्त किया, वह वृक्ष 'बोधिवृक्ष' कहलाया और वह स्थान, जहां उन्होंने यह ज्ञान प्राप्त किया, बोध गया के नाम से विख्यात हुआ तथा बुद्धत्व प्राप्त करने के बाद ही सिद्धार्थ को महात्मा बुद्ध' कहा गया। महात्मा बुद्ध मन की साधना को ही सबसे बड़ी साधना मानते थे। अपने 80 वर्षीय जीवनकाल के अंतिम 45 वर्षों में उन्होंने दुनियाभर में घूम-घूमकर बौद्ध धर्म का प्रचार किया और लोगों को उपदेश दिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उप राष्ट्रपति धनखड़ ईरान के राष्ट्रपति रईसी के निधन पर शोक व्यक्त करने तेहरान पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेहरान/भाषा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ हेलीकॉप्टर हादसे में मारे गए ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित आधिकारिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए बुधवार को तेहरान पहुंचे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे धनखड़ की तेहरान पहुंचने पर ईरान के अधिकारियों ने अगवानी की। उप राष्ट्रपति के कार्यालय ने तेहरान हवाई अड्डे पर धनखड़ के पहुंचने की तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स'पर पोस्ट किया, उप राष्ट्रपति धनखड़ ईरान के दिवंगत राष्ट्रपति सईद इब्राहिम रईसी और विदेशमंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियन को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित आधिकारिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। रईसी के निधन पर भारत में मंगलवार को एक दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी रईसी के निधन पर शोक व्यक्त किया था। विदेशमंत्री एस.जयशंकर मंगलवार को नई दिल्ली स्थित ईरान के दूतावास में जाकर भारत की ओर से इस क्षति पर शोक व्यक्त किया। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अध्यक्षता में बुधवार को देश के दिवंगत राष्ट्रपति, विदेश मंत्री और हादसे में मारे गए लोगों के लिए जनाजे की नमाज पढ़ी गई। हजारों लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। दुनिया के कई नेता भी आधिकारिक अंत्येष्टि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए इस समय तेहरान में हैं।

ईरान के सर्वोच्च नेता की अगुवाई में राष्ट्रपति रईसी, अन्य के जनाजे की नमाज अदा की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई। ईरान में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए देश के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाहियन और अन्य अधिकारियों के जनाजे की नमाज देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की अगुवाई में बुधवार को अदा की गई।

इसके बाद उनके पार्थिव शरीर के साथ राजधानी तेहरान में निकाले गए जुलूस में हजारों लोग शामिल हुए। ईरान के शिया धर्म आधारित शासन में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन को उसकी वैधता एवं जनसमर्थन के सबूत के तौर पर पेश किया जाता है। राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और अन्य के लिए बुधवार अदा की गई जनाजे की नमाज में भीड़ 2020 में बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए रिवोल्यूशनरी गार्ड के जनरल कासिम सुलेमानी की जनाजे की नमाज से कम बताई जा रही है।

जनाजे की नमाज में शामिल कई लोगों ने कहा कि वे इस्लामिक गणराज्य के अन्य शहरों और कस्बों से तेहरान आए हैं।

सुलेमानी के लिए सार्वजनिक रूप से फफक पड़े सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई भी रईसी सहित अन्य मृतकों की नमाज जनाजा की अगुवाई करते हुए शांत दिखे। खामनेई ने नमाज के दौरान अरबी में कहा, हे अल्लाह, हमने उनकी अच्छाई के अलावा कुछ नहीं देखा। इसके तुरंत बाद वह चले गए और अंदर मौजूद लोग ताबूतों को छूने के लिए उमड़ पडे। ईरान के कार्यवाहक राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर पास में ही खड़े रहे और इस दौरान उन्हें रोते हुए देखा गया।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना में रविवार को रईसी, विदेश मंत्री आमिर अब्दुल्लाहियन और छह अन्य की मौत ईरान के लिए घरेलू और विदेश दोनों ही स्तर पर राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षण है।

तेहरान विश्वविद्यालय में मृतकों के ताबूत रखे गए। ये ताबूत ईरानी ध्वज में लिपटे हुए हैं और ताबूतों पर नेताओं की तस्वीरें लगायी गई हैं। दिवंगत राष्ट्रपति रईसी के ताबूत पर एक काली पगड़ी रखी गई जो उनके इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद का वंशज होने का संकेतक है।

इसके बाद लोग अपने कंधों पर ताबूत लेकर चले और बाहर नारे लगाए, अमेरिका की मौत। इसके बाद उन्होंने तेहरान के पुराने इलाके से होकर आजादी या 'फ्रीडम' चौक तक जनाजा निकालने के लिए एक ट्रक ट्रेलर में ताबूत रखे। रईसी ने इस चौक पर भाषण दिए थे।

फिल्म 'ब्लैकआउट' का टीजर किया रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर ने विक्रांत मैसी की आने वाली फिल्म ब्लैकआउट का टीज़र रिलीज़ किया है। कॉमेडी से भरपूर जियो स्टूडियोज और 11:11 प्रोडक्शंस फिल्म की फिल्म ब्लैकआउट का टीजर अनिल कपूर ने अपने सोशल मीडिया के माध्यम से रिलीज कर दिया है। विक्रांत मैसी, मौनी रॉय और सुनील ग्रोवर के अभिनय से सजी इस फिल्म के टीजर में अनिल कपूर ने अपनी आवाज़ दी है। इन दिनों विक्रांत मैसी सफलता के शिखर पर है, उन्हें आखिरी बार फिल्म '12वीं फेल' में देखा गया था, जिसमें उनके अभिनय को दर्शकों से काफ़ी सराहना मिली है। फिल्म 'ब्लैकआउट' के घोषणा के बाद से ही लगातार सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का निर्देशन देवांग शशिन भावसार ने किया है।कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। इस फिल्म में सोशल मिडिया सेंसेशन करण सोनावणे और सौरभ घाडगे भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। जियो स्टुडियोज प्रस्तुत, 11:11 प्रोडक्शंस फिल्म, ज्योति देशपांडे और नीरज कोठारी निर्मित फिल्म ब्लैकआउट 07 जून 2024 से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म 'सास अठन्नी बहु रुपईया' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत और अभिनेत्री ऋचा दीक्षित स्टारर फिल्म सास अठन्नी बहु रुपईया का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जेएएस मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी विक्रांत सिंह राजपूत और ऋचा दीक्षित स्टारर भोजपुरी फिल्म सास अठन्नी बहु रुपईया ,परिवार में कलह और उसके परिणम से दर्शकों को सीख देती नज़र आने वाली है।इस फिल्म के निर्माता विनय सिंह एवं अंशुमान सिंह और निर्देशक विष्णु शंकर बेलु हैं। फिल्म के ट्रेलर को इंटर 10 रंगीला और दंगल प्ले एप्प पर रिलीज किया गया है।

विक्रांत सिंह राजपूत ने कहा कि इस फिल्म की कहानी अलग है और इसकी प्रस्तुति भी शानदार तरीके से की गयी। यह फिल्म मेरे लिए जितना ख़ास है, उतना ख़ास भोजपुरी सिनेमा इंडस्ट्री के लिए भी है। उम्मीद है आपको यह फिल्म पसंद आएगी। फिल्म सास अठन्नी बहु रुपईया विक्रांत सिंह राजपूत, ऋचा दीक्षित, जे नीलम, अनीता रावत के साथ रजनीश झांझी, संतोष श्रीवास्तव, प्रकाश जैस, प्रिया दीक्षित, शबीह फातिमा जाफरी, सिमरन श्रीवास्तव, सोनिया मिश्रा, अंशू तिवारी मुख्य भूमिका में हैं।

अतिथि भूमिका में अंशुमान सिंह राजपूत हैं।कार्यकारी निर्माता सुभाष चव्हाण ,संगीतकार साजन मिश्रा और लेखक सुरेंद्र मिश्रा एवं विवेक मिश्रा हैं। छायांकन हरेश सावंत और नृत्य प्रवीण शेलार, सोनू का है। संकलन गोविंद दुबे ने किया है। प्रोडक्शन मैनेजर जय मिश्रा, कला निर्देशक संजय कुमार हैं।

सांप्रदायिक, घोर जातिवादी व परिवारवादी है कांग्रेस : कंगना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंडी/कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी व फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने बुधवार को इंडिया समूह और कांग्रेस पर जोरदार हमला करते हुए आरोप लगाया कि दोनों ही सांप्रदायिक,घोर जातिवादी व परिवारवादी हैं। कंगना ने आज लाहौल स्पीति के उदयपुर व अन्य दर्जन भर स्थानों पर चुनाव प्रचार अभियान में भाग लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 70 सालों तक इन्ही विषयों पर राजनीति की है। कांग्रेस ने गरीब, अनुसूचित जाति (एससी)-अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), महिलाओ तथा देश के हर वर्ग को धोखा दिया।

कंगना ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास सिर्फ एक ही 'वोट बैंक' बचा है। आज ये लोग एक 'वोट बैंक' को खुश करने के लिए धर्म के आधार पर आरक्षण छीनकर बांटना चाहते हैं। अगर आंबेडकर नहीं होते तो आरक्षण विरोधी नेहरू एससी-एसटी को आरक्षण नहीं मिलने देते। नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखकर इसका विरोध किया था। नेहरू से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी तक इस परिवार के जितने प्रधानमंत्री हुए, सब ने आरक्षण का विरोध किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरा विश्व आज भारत को एक शक्तिशाली राष्ट्र बनते हुए देख रहा है भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार तेजी से अपने कदम आगे बढ़ा रही है व फिर एक बार देश की वाग डोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ में देने का मन देश ने बना लिया है। कंगना ने कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह पर हमला बोलते हुए कहा अगर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने विक्रमादित्य को अच्छे संस्कार दिए होते तो वह इस प्रकार से महिलाओं की अस्मिता व महिला विरोध में टिप्पणियां ना कर रहे होते। कभी उन्हें एक महिला के मंदिरो में जाने से आपत्ति होती है तो कभी वह एक महिला के चरित्र पर सवाल उठाते हैं ।

उन्होंने कहा कि विक्रमादित्य सिंह की पहचान फेसबुक के नेता के रूप में है। मंडी लोकसभा के लिए उनका व उनके परिवार का विजन कहां था जब उनके परिवार के सदस्य खुद मंडी से सांसद रहे। यही नहीं खुद भी वह पिछले 15 महीनों से मंत्री हैं और वह खुद बताएं कि उन्होंने प्रदेश में क्या कार्य किए। वह मात्र चुनाव जीतने के बड़ी बड़ी बातें कर सकते हैं जिनका कोई सिर पैर नहीं होता। विक्रमादित्य बताएं अगर वो इतना ही विजन मंडी के लिए रखते हैं तो सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी के विरोध में क्यों प्रदेश सरकार के साथ खडे रहे।

कोविड पर रिपोर्टिंग करने वाली चीनी पत्रकार चार साल बाद रिहा

बैंकाक/एपी। चीन के वुहान में कोरोना वायरस फैलने के शुरुआती दिनों में रिपोर्टिंग करने से जुड़े मामले में चार साल की सजा काटने के बाद चीनी पत्रकार झांग झान को जेल से रिहा कर दिया गया। पत्रकार ने रिहा होने के आठ दिन बाद मंगलवार को एक वीडियो में यह जानकारी दी।

झांग झान को 'झगड़ा कराने और गड़बड़ी पैदा' करने के जुर्म में चार साल की सजा सुनाई गई थी।

झांग झान के रिहा होने के दिन उनके पूर्व वकील झान से या उनके परिवार से संपर्क नहीं कर सके।

एक संक्षिप्त वीडियो में झांग ने बताया कि उन्हें 13 मई को जेल से रिहा किया गया और पुलिस ने उनके भाई झांग जू के घर पर उन्हें छोड़ा था। उन्होंने कहा, मैं सभी को मेरी मदद करने के लिए धन्यवाद देती हूं।

चीनी पत्रकार का यह वीडियो एक विदेशी कार्यकर्ता जेन वांग ने साझा किया।

किरदार चुनते वक्त इस बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचता कि लोग क्या कहेंगे? : मनोज बाजपेयी

इंदौर/एजेन्सी

मशहूर अभिनेता मनोज बाजपेयी ने मंगलवार को कहा कि उन्हें अदाकारी को लेकर किसी बक्से में कैद होना पसंद नहीं है और किरदार चुनते वक्त वह इस बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचते कि लोग क्या कहेंगे। बाजपेयी अपनी आगामी फिल्म ''भैयाजी'' के प्रचार के लिए इंदौर आए थे। यह उनके करियर की 100वीं फिल्म है जिसमें वह मार-धाड़ वाले किरदार में नजर आएंगे।

बाजपेयी ने संवाददाताओं से कहा, आगे भी मेरी जो फिल्में आएंगी, वे पहले से अलग होंगी क्योंकि मुझे किसी बक्से में बंद होकर रहना पसंद नहीं है। मैं एक ही तरह के किरदारों से ऊब जाता हूं। उन्होंने कहा, मुझे (अभिनेता के तौर पर) लगातार नई चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को बदलते रहना पसंद है। मेरा इस बात पर

ज्यादा ध्यान रहता है कि एक अभिनेता के रूप में मेरा विकास हो रहा है या नहीं? लोग क्या कहेंगे, मैं इस बारे में थोड़ा कम सोचता हूं या सच बोलूं तो मैं इस बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचता हूं।

यह पूछे जाने पर कि क्या पारिवारिक और सामाजिक कहानियों वाली फिल्मों के लिए दर्शकों की भीड़ सिनेमाघरों में लौटेगी, बाजपेयी ने कहा, आज के दौर में सबसे पहले जरूरी यह है कि दर्शक सिनेमाघरों में लौटें और पहले की तरह मिल-बैठकर फिल्मों का मजा लें। यह आज हर फिल्म निर्माता और हर कलाकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि किसी फिल्म के हर विभाग का पूरा आनंद बड़े परदे वाले सिनेमाघर में 100-150 लोगों के साथ बैठकर ही लिया जा सकता है, फिर फिल्म चाहे किसी भी तरह की हो।

मनोरंजन जगत में ओटीटी मंचों का जोर बढ़ने पर बाजपेयी ने कहा कि लोग इन दिनों मोबाइल फोन पर भी फिल्में देख रहे हैं, लेकिन फोन पर किसी फिल्म के हर कलात्मक पहलू का पूरा आनंद लिया जाना मुमकिन नहीं है। राजनीति में आने की संभावना के सवाल पर उन्होंने कहा कि सियासत की दुनिया उन्हें समझ नहीं आती, लेकिन वह हर पांच साल में मतदान की जिम्मेदारी जरूर निभाते हैं और इसके बाद मनोरंजन जगत में अपने काम में फिर से जुट जाते हैं।

इजराइल के राजदूत गिलोन ने हमास के हमले के बाद समर्थन के लिए भारत को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली/भाषा। इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने कहा है कि सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद भारत, इजराइल के पक्ष में खड़ा था और उसका समर्थन भारतीय और यहूदी लोगों के बीच बहुत गहरे संबंधों का प्रमाण है। गिलोन ने इजराइल के 76वें राष्ट्रीय दिवस का जश्न मनाने के लिए इजराइली दूतावास द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, सात अक्टूबर से भारत सरकार और जनता दोनों इजराइल के पक्ष में खड़ी हो गईं। और इस बात को हम कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने मंगलवार की रात एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा, यहां हमें जितना समर्थन मिलता है वह किसी आश्चर्य से कम नहीं है।

बॉलीवुड में कमबैक करना चाहती है अनु अग्रवाल

मुंबई/एजेन्सी

जानीमानी अभिनेत्री अनु अग्रवाल, बॉलीवुड में कमबैक करना चाहती है। वर्ष 1990 में प्रदर्शित फिल्म आशिकी के जरिये लाइमलाइट में आयी अनु अग्रवाल लंबे समय से फिल्मों से दूर है।अब वह फिल्मों में वापसी करना चाहती हैं। अनु अग्रवाल ने कहा, मैं बहुत समय से इंडस्ट्री से दूर हूं। मुझे फिल्मी दुनिया से दूर हुए 2 दशक से भी ज्यादा का समय हो गया है। मैं सभी फिल्ममेकर्स और डायरेक्टर्स से कहना चाहती हूं कि मुझे काम दें। आप मुझे इंस्टाग्राम पर भी कॉन्टैक्ट कर सकते हैं। मैं फिल्मों या ओटीटी में भी काम करने के लिए ओपन हूं।

अनु अग्रवाल वर्ष 1999 में एक सड़क हादसे का शिकार हो गई थीं। इस हादसे के बाद वह करीब एक महीने कोमा में रहीं। अनु अग्रवा का करीब तीन साल तक एक्ट्रेस का इलाज चला था। कुछ सालों बाद अनु ठीक हो गईं, लेकिन इस हादसे ने उनका चेहरा बुरी तरह बिगाड़ दिया। अनु का चेहरा इतना बिगड़ गया कि लोगों के लिए उन्हें पहचानना मुश्किल हो गया। इसके बाद से ही अनु फिल्मी दुनिया से दूर हो गईं।अब वह एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करना चाहती हैं।

हीरामंडी को लेकर ऋचा चड्ढा को लग रहा था डर, कहीं खो न जाए किरदार

मुंबई/एजेन्सी

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार सबके दिलों को छू गया। ऋचा चड्ढा ने इस छोटे से किरदार के लिए जितनी मेहनत की उसका फल उन्हें साफतौर पर मिला है। एक डांस सीक्वेंस के लिए 99 टेक देना और 10 किलो से ज्यादा वजन का आउटफिट पहनकर परफॉर्म करना ऋचा चड्ढा के लिए आसान नहीं था, वो भी तब जब उनका रोल सिर्फ शुरुआती कुछ एपिसोड के लिए रहना था। ऋचा चड्ढा ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें शुरू में लगा कि 8 एपिसोड वाली इस सीरीज में उनका रोल कहीं खोकर रह जाएगा।

समाचार एजेंसी के साथ बातचीत में ऋचा चड्ढा ने बताया, मुझे खुशी है कि जो मैंने रिस्क लिया था उसका फल मिला। क्योंकि यह जाहिर तौर पर बहुत रिस्की किरदार था। यह बहुत छोटा रोल था और हमेशा इस बात का रिस्क बना हुआ था कि 8 एपिसोड लंबी सीरीज में कहीं यह किरदार खो ना जाए। खासतौर पर तब, जब सीरीज में सब एक से बढ़कर एक कलाकार हैं। तो इसी वजह से बस मुझे थोड़ा डर लग रहा था कि कहीं यह किरदार खो ना जाए। मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि ऐसा नहीं हुआ।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, लज्जो जैसी लड़कियां हमारे आसपास ही हैं। शायद यही वजह है कि इस रोल को इतना प्यार मिल रहा है, वो भी तब जब हम एक 1940 के किरदार की बात कर रहे हैं और आज हम 2024 में जी रहे हैं। इस किरदार के लिए लोगों की संवेदनाएं हैं क्योंकि कभी ना कभी, किसी ना किसी मोड़ पर हर किसी का दिल टूटा है। मुझे अभी तक कोई भी ऐसा इंसान नहीं मिला है जिसने कहा हो कि उसे यह किरदार अच्छा नहीं लगा। सभी लज्जो से रिलेट कर पा रहे हैं।

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी वेब सीरीज 'हीरामंडी' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है और इसे दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है। सीरीज में ऋचा चड्ढा के अलावा मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शेखर सुमन और अध्ययन सुमन ने अहम किरदार निभाए हैं। सीरीज की कहानी आजादी की लड़ाई में तवायफों के योगदान की कहानी है जिसे वक्त के साथ भुला दिया गया।

बलरामपुर लोकसभा सीट पर बलराज साहनी ने वाजपेयी के विरूद्ध किया था प्रचार

मुंबई/एजेन्सी

वर्ष 1962 के लोकसभा चुनाव में बलरामपुर (श्रावस्ती) लोकसभा सीट पर सुप्रसिद्ध अभिनेता बलराज साहनी ने, अटल बिहारी वाजपेयी के विरूद्ध प्रचार किया था। उत्तर प्रदेश की बलरामपुर लोकसभा सीट से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने वर्ष 1957 के चुनाव में जीत हासिल की थी। वर्ष 1962 में अटल बिहारी वाजपेयी फिर बलरामपुर सीट से चुनावी रण्भूमि में उतरे। इस चुनाव में उनके सामने कांग्रेस प्रत्याशी सुभद्रा जोशी थीं। इससे पहले वह वर्ष 1952 में पंजाब के करनाल और वर्ष 1957 में अंबाला से सांसद रह चुकी थीं और दिल्ली में बस गई थीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के आग्रह पर वह बलरामपुर से चुनाव लड़ने को राजी हो गयी थी।इस चुनाव में सुभद्रा जोशी चाहती थीं कि नेहरू खुद उनका प्रचार करें लेकिन नेहरू, अटल के खिलाफ प्रचार नहीं करना चाहते थे. ऐसे में सुभद्रा जोशी का प्रचार करने के लिए खुद नेहरू ने बलराज साहनी को कहा था, जो 'दो बीघा जमीन' फिल्म से अपनी पहचान बना चुके थे।

हालांकि अटल बिहारी वाजपेयी अपनी जीत को लेकर आश्वस्त थे। और इसके पीछे की वजह यह थी कि अटल जी का मानना था कि बलरामपुर की जनता सुभद्रा जोशी को इतना नहीं जानती थी और अटल जी एक बार जीते हुए कैंडिडेट थे। ऐसे में वो अपने चुनाव प्रचार में जुट गए।वहीं जब लोगों को पता लगा कि बलरामपुर में सुभद्रा जोशी के समर्थन में बलराम साहनी आ रहे हैं तो लोगों की रैलियों में भीड़ जुटने लगी।

बताया जाता है कि बलराज साहनी बलरामपुर में शायर बेकल शाही के घर पर ठहरे थे और वही से सुभद्रा जोशी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने प्रचार की स्क्रिप्ट तैयार की।चुनाव प्रचार के दौरान आलम यह था कि लोग बलराज साहनी की एक झलक देखने के लिए घरों की छतों और खिड़कियों पर खड़े दिखाई दिए। बलरामपुर की गलियों और चौबारे भीड़ उमड़ी से पट गए। बलराज साहनी ने उस दिन शाम तक जनसभा की और कांग्रेस के लिए वोट मांगे।

सुभद्रा जोशी के पक्ष में ऐसा माहौल बना कि अटल बिहारी वाजपेयी अपनी जीती हुई सीट बलरामपुर हार गए। कांग्रेस प्रत्याशी सुभद्रा जोशी ने भारतीय जनसंघ उम्मीदवार अटल बिहारी वाजपेयी को सिर्फ 2052 वोट से हराया।बाद में वाजपेयी ने अपनी हार का बदला भी लिया। वर्ष 1967 में भारतीय जनसंघ प्रत्याशी अटल बिहारी वाजपेयी ने बलरामपुर से ही कांग्रेस की प्रत्याशी सुभद्रा जोशी को 31 हजार 704 मतों के अंतर से हराया। वर्ष 2009 में परिसीमन के बाद बलरामपुर सीट श्रावस्ती कहलाती है। श्रावस्ती लोकसभा सीट पर आगामी 25 मई को मतदान होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | गुरुवार | 23-05-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के तेरापंथ सभा-ट्रस्ट राजराजेश्वरीनगर के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में साध्वी सिद्धप्रभाजी एवं साध्वी उदितयशाजी के सान्निध्य में आचार्यश्री महाश्रमणजी के दीक्षा व संतता के 50वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दीक्षा कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया।

आत्मकल्याण के साथ जनकल्याण के लिए समर्पित हैं आचार्यश्री महाश्रमण : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

त्याग, दया, करुणा, प्रेम की साक्षात प्रतिमूर्ति हैं आचार्यश्री महाश्रमण : साध्वीश्री उदितयशा

राजराजेश्वरीनगर तेरापंथ भवन में मनाया गया आचार्यश्री का दीक्षा कल्याण महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा-ट्रस्ट राजराजेश्वरीनगर के तत्वावधान में तेरापंथ भवन में साध्वी सिद्धप्रभाजी एवं साध्वी उदितयशाजी के सान्निध्य में आचार्यश्री महाश्रमणजी के दीक्षा व संतता के 50वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दीक्षा कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। महिला मण्डल एवं कन्या मण्डल की सदस्याओं ने 50 अंक की आकृति बनाकर महाश्रमण अष्टकम का सस्वर संगान किया। तेरापंथ सभा, युवक परिषद एवं महिलामण्डल ने सामूहिक गीत प्रस्तुत किया। ज्ञानशाला, कन्या मण्डल एवं महिला मण्डल ने अष्टकम पर आधारित जीवन के कुछ रोचक प्रसंगों की प्रस्तुति दी। साध्वी संगीतप्रभाजी ने आचार्यश्री महाश्रमणजी की उत्कृष्ट साधना के प्रसंगों की व्याख्या की।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया उपस्थित थे। सिरोया ने अपने भाषण में आचार्यश्री महाश्रमणजी को एक महान संत बताया। उन्होंने तेरापंथ की एकता व उनके विधान की चर्चा करते हुए कहा कि तेरापंथ संघ बहुत अनुशासित संघ है क्योंकि यह एक आचार्य के निर्देशन में कार्य करता है। उन्होंने आचार्यश्री महाश्रमणजी के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए दृष्टांत सुनाए। साथ ही उन्होंने समाज के कार्य में महिलाओं को आगे आने की प्रेरणा दी।

साध्वीश्री उदितयशाजी ने महाश्रमण बनने का रहस्य बताते हुए कहा कि संयम द्वारा अपने आपको रुपान्तरित करने की कोशिश करने वाला ही महाश्रमण बन सकता है। आचार्यश्री महाश्रमणजी ने रूपान्तरण की प्रक्रिया को अपनाया इसलिए आज वे सर्वोच्च पद पर हैं। छोटी आयु में ही उन्होंने अपने जीवन की दिशा को मोड़ने वाला निर्णय लिया और आज वे सब पर शासन कर रहे हैं, क्योंकि पहले उन्होंने खुद को अनुशासित किया। जो खुद पर राज करते हैं वहीं व्यक्ति करोड़ों पर राज कर सकते हैं। साध्वीश्री ने कहा कि आज का दिन संयम की चेतना की प्रेरणा व चिन्तन का दिन है।

हमें महान बनना है तो हमें इन्द्रिय संयम, वाणी संयम और रसना संयम का अभ्यास करना होगा। आचार्यश्री महाश्रमणजी अनुशासित, चिन्तनशील, तपस्वी, मनस्वी, त्याग की प्रतिमूर्ति, दया, करुणा, प्रेम की साक्षात मूर्ति हैं, हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और उनका अनुसरण करना चाहिए। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने कहा कि आज आचार्यश्री के 50वें दीक्षा दिवस के साथ साथ नवमीं साध्वीप्रमुखा के चयन का भी दिन है। हम आज जो भी हैं इन महापुरुषों की देन है। जो साधक समय का अंकन करना जानता है वही सफलता को प्राप्त होता है। बालक मोहन अर्थात आचार्यश्री महाश्रमणजी ने बचपन से ही अपनी दिनचर्या बनाना प्रारंभ किया, जो आज तक भी घड़ी की सुई के साथ गतिमान है। आचार्य प्रवर का अनुशासन, अध्यात्मनिष्ठा एवं श्रमनिष्ठा बेजोड़ एवं अनुत्तर है। इंद्रिय संयम से ही वे महातपस्वी बने। आचार्यश्री एक आज्ञाकारी शिष्य रहे, जो आज्ञाकारी होता है वही सबका आराध्य बन सकता है। आचार्यश्री महाश्रमणजी मन,वचन व काया से संयमी हैं। आचार्य महाप्रज्ञजी ने महाश्रमणजी के जीवन अनुशासन को देखकर उन्हें महातपस्वी की उपाधि दी थी क्योंकि वे शरीर के साथ साथ इन्द्रिय, श्रम, वाणी में तप रखते हैं। आचार्य महाश्रमणजी परोपकार के लिए समर्पित हैं।आत्मकल्याण के साथ आचार्य महाश्रमणजी जनकल्याण के लिए समर्पित हैं।

कार्यक्रम में तेरापंथी सभा के अध्यक्ष छतरसिंह सेठिया ने सबका स्वागत किया। प्रथम अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। कार्यक्रम के मध्म में सिरोया सहित अन्य अतिथियों का साहित्य भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा, सभा के मंत्री हेमराज सेठिया, तेयुप के अध्यक्ष विकास छाजेड़, तेमम की अध्यक्षा सुमन पटावरी ने चारित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम में स्थानीय तेरापंथ समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही। इस मौके पर कन्या मंडल की ओर से आचार्य महाश्रमणजी को समर्पित चित्र प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक सरोज बैद व गुलाब बाँठिया ने कार्यक्रम का संचालन किया। ट्रस्ट के मंत्री विक्रम मेहर ने धन्यवाद दिया।

आचार्यश्री हीरचन्द्रसूरी व पन्यासश्री विमलपुण्य का चातुर्मास अक्कीपेट में घोषित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय अक्कीपेट के वासुपूज्यस्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के पदाधिकारियों ने दावणगेरे में विराजित आचार्यश्री अभयचन्द्रसूरीश्वरजी के शिष्य आचार्यश्री हीरचन्द्रसूरीश्वरजी व पन्यासश्री विमलपुण्यविजयजी के दर्शन कर चातुर्मास के लिए निवेदन किया। गच्छाधिपति आचार्यश्री विजयराजेन्द्रसूरीश्वरजी की आज्ञा व निर्देश के अनुसार वर्ष 2024 के लिए आचार्य श्री हीरचन्द्रसूरीश्वरजी व पन्यासश्री विमलपुण्यविजयजी का चातुर्मास अक्कीपेट में घोषित किया गया।

चातुर्मास की घोषणा से अक्कीपेट क्षेत्र में खुशी का माहौल है। महिलाओं के आराधना के लिए साध्वीश्री अनंतकीर्तिश्रीजी की शिष्या साध्वीश्री गुर्वाज्ञानिधिश्रीजी पधारेंगी। संतों का अक्कीपेट में चातुर्मास प्रवेश 7 जुलाई को होगा।

भावी आचार्य का पचासवां दीक्षा दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानक भवन में बुधवार को रत्नसंघीय आचार्यश्री हीराचंद्रजी म सा के आज्ञानुवर्ती भावी आचार्य श्री महेंद्रमुनिजी का 50 वाँ दीक्षा दिवस मनाया गया । श्री दलपतराज सिंघवी ने रत्न संघ और भावी आचार्य के जीवन का परिचय दिया। सतीश मुनोत, आनंद पटवा, सम्पत बाग़मार ने अपने भाव व्यक्त किए। बुधमल बाग़मार ने संचालन किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने 2-2 सामयिक की। इस मौके पर स्थानक पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही।

साधना का प्रारंभ आत्मशोधन से, स्वयं से प्रारंभ होता है : आचार्यश्री प्रसन्नसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जक्कूर स्थित एमसीएचएस लेआउट में आयोजित धर्मसभा में आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज ने कहा कि साधना का प्रारंभ आत्मशोधन से, स्वयं से प्रारंभ होता है। आत्मशोधन और आत्मपरिस्कार उपासना के प्रथम चरण है। आचार्यश्री ने कहा कि पहले आत्मशोधन करो, बाद में आत्मवर्धन की बात करना अन्यथा तुम्हारा स्वाध्याय, तुम्हारी साधना मिथ्या कहलाएगी। पहले भूमि को जोतो, हल चलाओ, कंकर-पत्थर निकाल फेंको, झाड़- झंकड़ अलग करो, उसके बाद में बीज बोना, खाद-पानी देना तब फसल अच्छी आयेगी । अध्यात्म की प्रयोगशाला में पहले उपकरणों की, आत्मपरिणामों की सफाई-धुलाई बहुत जरुरी है। आत्मिक विकारों, विषय-कषायों का कल्मष आत्मा से अलग करने पर ही आत्म अभिवर्धन होता है। आचार्यश्री ने कहा कि गृहस्थ में पाप बहुत और पुण्य बहुत कम होता है, पर सन्यास में हर क्षण पुण्य ही पुण्य होता है। किसी से कोई अपेक्षा नहीं होती है, अपने ज्ञान-ध्यान-तप में लीन रहते हैं, मुख कमल की प्रसन्नता बढ़ती ही रहती है। मुनिश्री अप्रमतसागरजी, आर्यिकाश्री ज्ञानप्रभामाताजी, आर्यिकाश्री चारित्रप्रभामाताजी, क्षुल्लिकाश्री दर्शनप्रभामाताजी के चौथे दीक्षा दिवस पर अपने गुरु आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी महाराज के पाद प्रक्षालन कर विन्यांजलि अर्पित की और गुरु आशीष प्राप्त किया । भक्तों ने गुरु पूजा-आरती की। संपूर्ण कार्यक्रम उपाध्यायश्री पीयूषसागरजी के निर्देशन में संपन्न हुए।

'मातृछाया' द्वारा सात दिवसीय तीर्थ दर्शन-सेवा यात्रा संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'मातृछाया' जैन महिला संगठन द्वारा आयोजित गुजरात, सौराष्ट्र यात्रा के अंतर्गत अध्यक्ष ललिता नागोरी व मंत्री पुष्पा बाफना के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने शत्रुंजय तीर्थ व अनेकों तीर्थों के दर्शन एवं पूजा पाठ का लाभ लिया। गुरु सेवा संयोजिका त्रिशला दांतेवाड़िया व मीना सोलंकी के विशेष सहयोग से यात्रियों ने आचार्य अरविंदसागरसूरीश्वरजी, चंद्रयशविजयजी आदि गुरुओं का दर्शन किया।

मानव सेवा कार्य, परमार्थ सेवा की विशेष सेवा सहयोगी निर्मला दांतेवाड़िया, पवनी राठौड़, कंचन भंसाली, सूरज गुलेच्छा, डायाबाई सोलंकी, सारिका तलावत, मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी व अनेक सदस्याओं ने पालीताणा तीर्थ के वृद्धाश्रम व समर्पण बालाश्रम मे 21-21 हजार रुपए की राशि चैक द्वारा तथा की चैक द्वारा खाद्य सामग्री भेंट की। संगठन ने यात्रा कार्यक्रम के मध्य में गुरु वैयावच्च, परमार्थ सेवा, मानव सेवा कार्यों, बच्चों की शिक्षा हेतु फीस राशि आदि में भी विशेष सहयोग प्रदान किया।

हत्याएं और आत्महत्याएं ही कांग्रेस सरकार की उपलब्धियां : सीटी रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व राज्य मंत्री सीटी रवि ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या हत्याएं और आत्महत्याएं कांग्रेस सरकार की उपलब्धि हैं? बुधवार को मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक साल पूरा होने का जश्न मनाया है। उन्होंने कहा कि वे माननीय मुख्यमंत्री से दर्जनों सवाल पूछना चाहते हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि इस सरकार ने सत्ता आगमन के समय जैन मुनियों की हत्या से शुरुआत की और प्रति माह हत्या-आत्महत्याओं में शतक का आंकड़ा पार कर लिया।

उन्होंने पूछा कि क्या एक हजार से ज्यादा हत्याएं, एक हजार से ज्यादा आत्महत्याएं सरकार की उपलब्धि हैं? राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के रिकॉर्ड के मुताबिक, पिछले 4 महीनों में कर्नाटक में 430 से ज्यादा हत्याएं हुई हैं। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 10 महीने में 700 से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की है। इस सरकार ने हर महीने हत्या और आत्महत्या में शतक पार कर लिया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यही आपकी सरकार की उपलब्धि हैं?

राज्य के गृह मंत्री ने कहा कि हर हत्या का एक कारण होता है, हालांकि, उन्होंने पूछा कि सरकार ऐसी स्थितियों में कैसे व्यवहार करती है और आपकी सरकार पर असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। उन्होंने आपत्ति जताई कि आपकी सरकार ने दलबदल की साजिश रची है। उन्होंने शिकायत की कि यह सब सामान्य रूप से काम करता है।

जब यह सरकार सत्ता में आई तो 40 फीसदी कमीशन को लेकर सेवानिवृत्त जज नागमोहनदास की एक कमेटी बनायी गयी। साथ ही एक माह में रिपोर्ट देने को कहा गया। अब तक 9 महीने हो गए हैं लेकिन, आपके जज ने रिपोर्ट नहीं दी है। आपने बीबीएमपी के कार्यों की जांच के लिए इस समिति को जिम्मेदारी दी है। वह रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। सीटी रवि ने पूछा कि देरी का कारण क्या है? बीबीएमपी ठेकेदारों ने सिद्दरामैया सरकार पर 40% कमीशन का आरोप लगाया है। क्या नागमोहनदास की कमेटी इस आरोप की जांच करेगी? बिटकॉइन घोटाले की जांच एसआईटी को सौंपे हुए 10 महीने हो गए हैं। जांच कब पूरी होगी? उन्होंने पूछा कि आरोप पत्र कब समर्पित किया जायेगा। इस मौके पर राज्य सचिव तमेश गौड़ा और राज्य प्रवक्ता एमजी महेश उपस्थित थे।

वायुसेना की पहली आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया प्रणाली का उद्घाटन हुआ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। देशभर में भारतीय वायुसेना के सेवारत कर्मियों और उनके परिवारों को चिकित्सा आपात स्थिति के दौरान विशेषज्ञ मार्गदर्शन और देखभाल उपलब्ध कराने के लिए वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने मंगलवार को कमांड हॉस्पिटल में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया प्रणाली (ईएमआरएस) का उद्घाटन किया।

ईएमआरएस भारतभर में वायुसेना कर्मियों और उनके परिवारों की सेवा के लिए अपनी तरह की पहली 24/7 टेलीफोनिक चिकित्सा हेल्पलाइन है। इसका मकसद देश में कहीं भी आपात स्थिति का सामना करने वाले कॉलर को चिकित्सा और पैरामेडिकल पेशेवरों की टीम द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया उपलब्ध कराना है। प्रतिक्रिया देने वाला चिकित्सा पेशेवर कॉलर को तत्काल सलाह देगा। साथ ही कॉलर के निकटतम आईएएफ चिकित्सा सुविधा के संपर्क में रहेगा। यह सुविधा आपातकालीन स्थिति में उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए टेक्नोलॉजी को शामिल करने को लेकर वायुसेना की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में सिस्टम की क्षमता और आउटरीच का प्रदर्शन किया गया, जिसमें संकटग्रस्त कॉलर को विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में आसानी पर प्रकाश डाला गया। साथ ही निकटतम चिकित्सा क्षेत्र से एक सहायता टीम की शुरुआत की गई।

भजनों के माध्यम से किया आचार्यश्री महाश्रमण का गुणगान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर के सदस्यों ने आचार्यश्री महाश्रमणजी की दीक्षा के 50 वर्षों की परिसंपनता पर दीक्षा कल्याण महोत्सव भक्ति संगीत संध्या के साथ मनाया। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी व श्री उदितयशाजी के सान्निध्य में मंगलवार शाम को तेरापंथ भवन में गुरुभक्ति संध्या का आयोजन किया। उपाध्यक्ष विक्रम मेहर ने सभी का स्वागत किया। स्थानीय तुलसी संगीत सुधा, प्रेक्षा संगीत सुधा, तुलसी स्वर संगम, विजय स्वर संगम आदि मंडलियों द्वारा महाश्रमणजी के गुणगान करते हुए अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी। श्रद्धालुओं व साध्वियों द्वारा भी भजनों का संगान किया गया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष छतर सेठिया, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी, तेयुप मंत्री धर्मेश नाहर सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम कासंचालन तुलसी संगीत सुधा संयोजक प्रवीण बैद ने किया। मंत्री धर्मेश नाहर ने धन्यवाद दिया।

भारी बारिश से थुम्बे बांध में जलस्तर बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के तटीय इलाकों में पिछले दो दिनों से जारी भारी बारिश के चलते मंगलूरु में जलापूर्ति के मुख्य स्रोत थुम्बे बांध में जलस्तर में काफी वृद्धि हुई है जिसके बाद नगर निगम ने बुधवार से शहर में पानी की कटौती बंद करने का फैसला किया। मंगलूरु नगर निगम के आयुक्त सी एल आनंद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आज से नगर निगम ने शहर में पानी की कटौती बंद कर दी है।

उन्होंने बताया कि निगम ने लगभग 20 दिन पूर्व थुम्बे बांध में जलस्तर बहुत कम हो गया था जिसके बाद निगम ने पूरे शहर में पानी की नियमित आपूर्ति रोक दी थी।

आनंद ने बताया कि नेत्रवती नदी के जलग्रहण क्षेत्र में बारिश के बाद शहर को पानी की आपूर्ति करने वाले थुम्बे बांध में पर्याप्त जल एकत्रित हो गया है। मंगलूरु के महापौर सुधीर शेट्टी कन्नूर ने बताया कि थुम्बे बांध का जल स्तर 5.5 मीटर तक पहुंच गया है जबकि अधिकतम भंडारण का स्तर छह मीटर है। वहीं, मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि शुक्रवार तक दक्षिण कन्नड़, उडुप्पी तथा उत्तर कन्नड़ जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश या गरज के साथ बारिश होने के आसार हैं।

बेंगलुरु रेव पार्टी मामला : सेक्स रैकेट एंगल की जांच कर रही सीसीबी पुलिस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां एक फार्म हाउस में हुई एक रेव पार्टी में नशीले पदार्थ जब्त किए गए थे। कर्नाटक पुलिस को लगता है कि ड्रग्स के साथ यहां सेक्स रैकेट भी चल रहा था। पुलिस इस एंगल से अब जांच कर रही है। इस पूरे मामले में पांच लोगों की गिरफ्तारी की गई। साथ ही पुलिस विभाग ने जांच को इलेक्ट्रॉनिक सिटी पुलिस स्टेशन से सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) के नारकोटिक्स विंग को स्थानांतरित कर दिया।

जांच में यह बात सामने आई कि रेव पार्टी शनिवार शाम (20 मई) को बेंगलूरु के बाहरी इलाके सिंगेना अग्रहारा में जीएम फार्म हाउस में शुरू हुई। इस पार्टी में 200 से अधिक लोग शामिल हुए। पार्टी में शामिल हुए कई लोग रविवार (21 मई) की सुबह चले गए, जबकि कुछ लोग रविवार भी वहां रहे। सूत्रों के मुताबिक हर एक व्यक्ति से प्रवेश के लिए 2 लाख रुपये लिए गए थे। उनसे यह दावा करने के लिए कहा गया कि वे एक जन्मदिन की पार्टी में भाग ले रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने कहा है कि उन्हें पूरा संदेह है कि पार्टी आयोजक सेक्स रैकेट भी चला रहे थे।

गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि सरकार का लक्ष्य कर्नाटक को नशा मुक्त राज्य बनाना है और वह रेव पार्टियों को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो छात्र पढ़ाई के लिए कर्नाटक आते हैं और ड्रग्स लेने और उन्हें बेचने में शामिल होते हैं, उन सभी पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्हें उनके राज्यों में वापस भेज दिया जाएगा। पुलिस ने पहले कहा था कि रेव पार्टी में तकनीकी विशेषज्ञ, तेलुगु कलाकारों सहित 100 से अधिक लोग शामिल हुए थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com